श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 221, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 07 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मिजोरम में म्यांमार के 30 हजार शरणार्थी

म्यांमार के शरणार्थियों को पहचान-पत्र, 160 शिविरों में चौकसी तेज, डेटा बनाया, जनसंख्या संतुलन पर संकट

गुवाहाटी: म्यांमार में सैन्य तानाशाह सरकार के अत्याचारों से पीड़ित शरणार्थियों का भारत आने का सिलसिला जारी है। पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में लगभग साढ़े 30 हजार शरणार्थी पनाह लिए हुए हैं। मिजोरम सरकार ने राज्य में पहुंचे इन शरणार्थियों की प्रोफाइलिंग कर डेटा भी तैयार कर लिया है। मिजोरम सरकार ने म्यांमार के सभी शरणार्थियों को विशेष पहचान-पत्र जारी किए हैं। राज्य सरकार के अधिकारी का कहना है कि इन पहचान-पत्रों का उपयोग सरकारी

योजनाओं का लाभ उठाने में नहीं किया जा सकता। मिजोरम की आबादी लगभग साढ़े 12 लाख है। इनमें भी 30 हजार म्यांमार के शरणार्थियों के आने से यहां का जनसंख्या संतुलन बिगड़ने की आशंका है। मिजोरम के लगभग 160 शरणार्थी शिविरों में चौकसी तेज कर दी गई है, ताकि ये शरणार्थी स्थानीय क्षेत्रों में नहीं बस पाएं।

शिविरों में म्यांमार की पूर्ववर्ती सरकार के जनप्रतिनिधि भी: बीते साल फरवरी में म्यांमार में सेना के सत्ता पर कब्जे के बाद से ही आतंकित लोग समूहों में टिआऊ नदी को पार कर मिजोरम पहुंच रहे हैं। ये शरणार्थी मूल रूप से म्यांमार के चिन प्रांत के रहने वाले हैं।

इन शिविरों में म्यांमार की आंग सांग सू की के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती लोकतांत्रिक सरकार के 14 जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं।

शरणार्थियों में 22 हजार से ज्यादा महिलाएं और बच्चे: मिजोरम में पहुंचे म्यांमार के शरणार्थी चंफाई, सियाहा, लांग्तलाई, सेरछिप, ह्वाहथियाल और सेतुआल जिलों के 160 राहत शिविरों में रह रहे हैं। मिजोरम में रह रहे म्यांमार के 30 हजार शरणार्थियों में से 11,800 बच्चे और 10,200 महिलाएं हैं। राज्य सरकार ने शरणार्थियों के लिए अब तक करीब 80 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

मणिपुर: म्यांमार के 85 लोग सीमा पार करते पकड़े जा चुके: हाल ही में म्यांमार की सीमा से लगे मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में 20 बच्चों सहित 80 म्यांमार नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन्हें बाद में इंफाल में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल से मुलाकात की, येचुरी, राजा व ओपी चौटाला से की मुलाकात

विपक्ष की अंगड़ाई, आगे बड़ी लड़ाई है..

नई दिल्ली: बिहार में भाजपा को सत्ता से दूर करने के बाद नीतीश कुमार मिशन 2024 की तैयारी में जुट गए हैं। इसी कड़ी में सोमवार को वे 3 दिन के दौरे पर दिल्ली पहुंचे। पहले दिन ही उन्होंने विपक्ष के 5 बड़ें नेताओं से मुलाकात की। इनमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी, महासचिव सीताराम येचुरी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और एनसीपी सुप्रीमों शरद पवार शामिल हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) और ओडिशा के सीएम बीजू जनता दल के नेताओं से भी नीतीश की मुलाकात प्रस्तावित है। राजनीतिक गलियारों में नीतीश के दिल्ली दौरे को विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद से ही नीतीश लगातार विपक्षी नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। अगर, नीतीश के प्रयास सफल रहे तो 2024 के चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ कांग्रेस के साथ-साथ सभी क्षेत्रिय पार्टियां साथ आ सकती है। यह पहली बार नहीं है, जब नीतीश महागठबंधन बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। 2015 में भी उन्होंने कोशिश की थी, लेकिन तब वे सफल नहीं हो सके थे।

आरसीपी सिंह का नाम सुनते ही भड़क गए: देश में विपक्ष की एकजुटता के अपने मिशन (के दूसरे दिन मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पुराने साथी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का नाम सुनते ही भड़क गए। दिल्ली में मीडिया ने जब उनसे आरसीपी सिंह को लेकर सवाल किए

आसान नहीं एक-दूसरे के खिलाफ विपक्ष को एक करना

अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को तरजीह देते विपक्षी दलों को एक साथ कर बीजेपी के खिलाफ मजबूत राष्ट्रीय विकल्प खड़ा करना आसान काम नहीं है। क्षेत्रीय दलों में प्रमुख पश्चम बंगाल में ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस और दिल्ली, पंजाब व हरियाणा में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को साथ लेकर चलना है। नीतीश कुमार को लालू प्रसाद यादव, हेमंत सोरेन, शरद पवार, जगन मोहन रेड्डी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती,ओम प्रकाश चौटाला एवं प्रकाश सिंह बादल आदि क्षेत्रीय क्षत्रपों को भी साथ में करना होगा। कांग्रेस के बिना विपक्ष का राष्ट्रीय चेहरा बन ही नहीं सकता और कई क्षेत्रीय दलों के कांग्रेस के साथ अच्छे संबंध नहीं, नीतीश कुमार यह भी जानते हैं।

मजबूत विपक्ष की राह में महात्वाकांक्षाओं के बड़े अवरोध: स्पष्ट है कि विपक्षी एकता के मिशन में स्थानीय महात्वाकांक्षाओं के कई बड़े अवरोध हैं। लेकिन बिहार में बीजेपी को सरकार से आउट कर जिस तरह नीतीश कुमार ने महागठबंधन की सरकार बनाई है।

तो कहा कि उसे राजनीति व पार्टी में लाए, अपनी जगह अध्यक्ष बनाया, लेकिन वे भारतीय जनता पार्टी के हाथ में चले गए। नीतीश कुमार विपक्षी एकता की अपनी मुहिम के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओ से मुलाकात कर रहे हैं। इसके पहले सोमवार को वे कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारास्वामी से मुलाकात कर चुके हैं। मीडिया से मुखातिब नीतीश कुमार आरसीपी सिंह का नाम सुनते ही भड़क गए। कहा कि वे उन्हें राजनीति में

बीजेपी व मोदी के खिलाफ मजबूत विपक्ष चाहते नीतीश

हाल-हाल तक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में बीजेपी के साथ रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राष्ट्रीय जनता दल व कांग्रेस के साथ महागठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री हैं। अब वे बीजेपी व पीएम मोदी के खिलाफ मजबूत विपक्ष के मिशन पर चल पड़े हैं। आज उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रीय पार्टियों, वाम दलों व कांग्रेस के एक साथ आने से बड़ा फर्क आएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद के न तो वे उम्मीदवार हैं, न ऐसी कोई दावेदारी है। वे तो केवल विपक्ष को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

लाए। वे आईएएस था। उन्हें अपना प्राइवेट सेक्रेट्री बनाया। उन्हें कहां से कहां ले गए। राजनीति और अपनी पार्टी में लाए, अपनी जगह पार्टी का अध्यक्ष भी बना दिया। लेकिन वे बीजेपी के साथ चले गए। नीतीश कुमार ने आरसीपी सिंह के बयानों को तरजीह नहीं देने की बात करते हुए कहा कि उनके बोलने का कोई मतलब नहीं है।

येचुरी, राजा, केजरीवाल व ओपी चौटाला से मुलाकात: इसके पहले नीतीश कुमार ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता सीताराम येचुरी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी राजा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा इनेलो नेता ओमप्रकाश चौटाला से मुलाकात की।

आज रात तक वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और शरद पवार से भी मिल सकते हैं।

कोरोना की पहली नेजल वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली: भारत को कोरोना के खिलाफ पहली इंट्रानेजल वैक्सीन मिल गई है। इसे हैदराबाद की फार्मा कंपनी भारत बायोटेक ने बनाया है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने मंगलवार को इसे इमरजेंसी यूज के लिए मंजूरी भी दे दी। वैक्सीन की खुराक 18 साल से ज्यादा के लोगों को दी जाएगी। इसके आखिरी फेज के ट्रायल पिछले महीने ही पूरे हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर नेजल वैक्सीन को बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा-

वैक्सीन कोरोना महामारी से लड़ाई की ओर एक बड़ा कदम है। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साइंस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और ह्यूमन रिसोर्स को बढ़ावा दिया है।

'भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद विरोध पर बनी सहमति'

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया तथा दोनों देश आतंकवाद विरोध, सीमा प्रबंधन और सीमा के आर-पार अपराधों को रोकने से जुड़े सुरक्षा सहयोग को मजबूत बनाने पर सहमत हुए। दोनों देशों ने अपनी सहयोग साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए जल वितरण, बांग्लादेश में रेलवे आधारभूत ढांचा विकास सहयोग सहित संपर्क सुविधाओं को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न समझौतों और करारों पर हस्ताक्षर किए।

एसवाईएल नहर: केंद्र का आरोप-पंजाब सहयोग नहीं कर रहा

चंडीगढ़: पंजाब और हरियाणा के बीच विवाद की वजह सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर पर सियासी संग्राम छिड़ना शुरू हो गया है। मंगलवार को इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें केंद्र सरकार ने आरोप लगाया कि पंजाब इसमें सहयोग नहीं कर रहा। इस संबंध में अप्रैल महीने में पंजाब के सीएम को पत्र भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय को कहा कि इस मुद्दे पर एक महीने के भीतर पंजाब और हरियाणा से मीटिंग करें। जिसमें मुद्दे के हल पर विचार करें। इसकी रिपोर्ट तैयार कर सुप्रीम कोर्ट में सौंपे। इसकी अगली सुनवाई 19 जनवरी 2023 को होगी।

आप के लिए इम्तिहान की घड़ी: आम आदमी पार्टी (आप) के लिए यह बड़े इम्तिहान की घड़ी है। पंजाब में उनकी सरकार है। वहीं हरियाणा में वह चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उनके ही सांसद ने रछ का पानी हरियाणा में लाने का वादा किया था। इस मुद्दे पर अगर आप सरकार ढीली पड़ी तो पंजाब में विरोध होगा। अगर हरियाणा के हक में खड़े नहीं हुए तो अगले चुनावों में नुकसान होगा। कल आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान हिसार में रहेंगे, जहां इस मुद्दे पर उनके सामने सवाल खड़े होंगे।

ऐसे बढ़ा एसवाईएल नहर का विवाद: पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी। वहीं केंद्र में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अगुआई वाली सरकार थी। जिन्होंने यह नहर बना पानी बांटने का फैसला किया। 1982 में विवाद तब बढ़ा जब पटियाला के कपूरी में एसवाईएल नहर बनाने का उद्घाटन कर दिया गया। 1985 में राजीव लौंगोवाल समझौता हुआ। उसमें भी ट्रिब्यूनल बना लेकिन मामला हल नहीं हुआ।

मुठभेड़ में दो दहशतगर्द ढेर

अनंतनाग: कश्मीर संभाग के जिला अनंतनाग में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। पुलिस और सुरक्षाबल के जवान मुस्तैदी से मौके पर तैनात हैं। जवानों ने दो दहशतगर्दों को मार गिराया है। इससे पहले सोमवार को आतंकियों ने अनंतनाग के इमामसाहिब इलाके में एसओजी कैंप पर हमला किया था। देर रात आतंकियों ने एसओजी कैंप को निशाना बनाकर फायरिंग की। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले। घटना के तत्काल बाद पूरे इलाके को घेरकर

तलाशी अभियान चलाया गया। इस हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।

वहीं, सोमवार देर शाम दक्षिण कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बताया कि आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर शोपियां जिले के बसकुचन इलाके में पुलिस, सेना तथा सीआरपीएफ ने तलाशी अभियान चलाया।

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' आज से

कन्याकुमारी: कांग्रेस बुधवार को कन्याकुमारी में एक मेगा रैली में अपनी 3,570 किलोमीटर लंबी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करेगी। कांग्रेस का कहना है कि वह आर्थिक विषमताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक केंद्रीकरण की समस्याओं और विचारधाराओं की लड़ाई के रूप में यह रैली कर रही है। भारत जोड़ी यात्रा शुरू करने से पहले कांग्रेस के पूर्व नेता राहुल गांधी बुधवार को श्रीपेरंबदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की समाधि पर प्रार्थना सभा में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे जहां तमिलनाडु के

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मौजूद रहेंगे। यहां राहुल को खादी का राष्ट्रीय ध्वज सौंपा जाएगा।

पांच महीनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी यात्रा: महात्मा गांधी मंडपम में कार्यक्रम के बाद जहां स्टालिन मौजूद रहेंगे, राहुल गांधी अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ सार्वजनिक रैली के स्थान पर जाएंगे जहां यात्रा औपचारिक रूप से शुरू की जाएगी। एक वीडियो संदेश में प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोगों से जहां भी संभव हो यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यात्रा की जरूरत है क्योंकि देश में नकारात्मक राजनीति की जा रही है और लोगों के वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य महंगाई और बेरोजगारी जैसे लोगों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। हालांकि कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की 3,570 किलोमीटर की यात्रा, जो लगभग पांच महीनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी, औपचारिक रूप से इस रैली में शुरू की जाएगी।

पुरुषों को सिम्युलेटर से पीरियड्स के दर्द का अहसास कराया, तकलीफ का 10% हिस्सा भी नहीं झेल पाए

केरल में 'फील द पेन' कैंपेन लॉन्च

केरल: साल 2015-16 में जारी हुई सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 15 से 24 साल की 50% महिलाएं पीरियड्स के समय सैनिटरी नैपकिन या मेन्स्ट्रुअल कप की जगह कपड़े का इस्तेमाल करती हैं। असहनीय दर्द झेलती हैं। कई बार इससे होने वाला संक्रमण जानलेवा भी हो जाता है। वहीं, केरल में पीरियड्स पर जागरूकता के लिए फील द पेन कैंपेन चलाया जा रहा है। महिलाएं जिस दर्द से हर महीने गुजरती हैं, जब पुरुषों को पीरियड सिम्युलेटर के जरिए उस दर्द का एहसास कराया गया, तो वे उसका 10% हिस्सा भी नहीं झेल पाए। प्रयोग के तहत पुरुषों को कुर्सी पर बैठाकर उन्हें पीरियड क्रैम्प जितना दर्द इलेक्ट्रिक करंट से

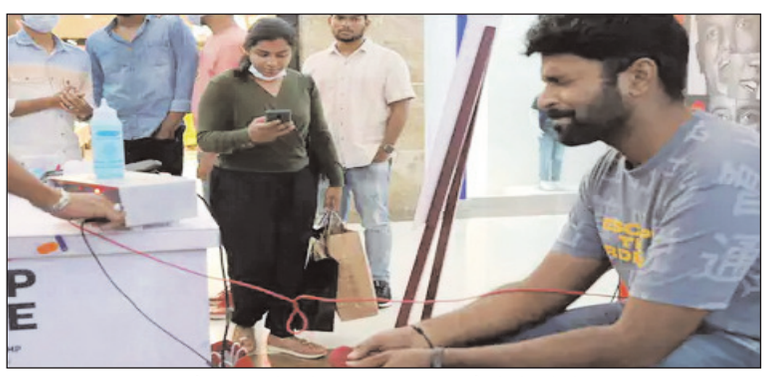

महसूस करवाया जाता है। इस प्रयोग में भाग लेने वाले अधिकतर पुरुष दर्द से कराह उठे, जबकि औरतों के चेहरे पर शिकन तक नहीं आई। ज्यादातर हंस रही थीं। इस प्रयोग का हिस्सा बने फहीम रहमान बताते हैं, जब तक क्रैंप खत्म नहीं हो गए, मैं किसी और चीज के बारे में सोच तक नहीं पाया।

पुरुष पीरियड की तकलीफ का 10% हिस्सा भी बर्दाश्त नहीं कर सकते: कैंपेन डिजाइन करने वाली सांद्रा सैनी कहती हैं, मैंने यूट्यूब पर विदेशों में ऐसे प्रयोग देखे थे। फिर इसे हमने अपने देश में आजमाया। हमारे कैंपेन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें सिम्युलेटर बैंड से बंधे पुरुष क्रैंप की वजह से रो रहे हैं, जबकि औरतें हंस रही हैं। सांद्रा सैनी कहती हैं, सिम्युलेटर के 45-50 के लेवल तक जाते-जाते पुरुष क्रैंप सह नहीं पाते और इसे रोकने को कहते हैं।

पीछे बैठे लोगों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना जरूरी: गडकरी

नई दिल्ली: जिस अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की कार का एक्सीडेंट हुआ, उसे केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी खतरनाक मानते हैं। साइरस की कार ओवरटेकिंग के दौरान सूर्या नदी के पुल पर रोड डिवाइडर से टकरा गई थी।

गडकरी ने सोमवार को कहा कि अहमदाबाद-मुंबई एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक वॉल्यूम 1 लाख 25 हजार पैसेंजर कार यूनिट है, इसलिए यहां

ड्राइविंग के दौरान टक्कर की संभावना बहुत ज्यादा है। आईएए वर्ल्ड समिट में गडकरी ने कहा कि 20 हजार या उससे ज्यादा पीसीयू का ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए छह लेन वाली सड़कों की जरूरत है। गडकरी ने साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में हुई मौत पर दुख जताया। उन्होंने ड्राइविंग के दौरान कार में सीट बेल्ट न लगाने को गलत बताया। साथ ही कहा कि कार में पीछे बैठे लोगों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना उतना ही जरूरी है, जितना आगे की सीट पर बैठने वालों के लिए। कार एक्सीडेंट में मारे गए मिस्त्री ने सीट बेल्ट नहीं लगाया था। गडकरी ने समिट के दौरान कारों में सीट बेल्ट को लेकर चार मुख्यमंत्रियों का किस्सा सुनाया।

खबर संक्षेप

बाढ़ से बचाव का पुख्ता इंतजाम जरूरी : डॉ.पांडेय

करछना। क्षेत्र के कछारी भागों में बसे करछना के दर्जनभर से अधिक गांव और मजरे प्रतिवर्ष बाढ़ की भयावह स्थिति से जूझ रहे हैं। हजारों एकड़ फसलें बाढ़ के पानी के परवान चढ़ जाती हैं, तो वहीं तमाम लोग सहानुभूति जताने के लिए भी बाढ़ प्रभावित गांवों में दौरा कर अपनी पीठ थपथपा लेते हैं। यदि बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा प्रभावित इन गांवों के समीप गंगा और टोंस घाट पर बांध बना दिए जाएं तो इससे पानी को संचित भी किया जा सकेगा और घाट पर स्थित मजरें कम से कम प्रभावित होंगे। यह बातें रामपुर स्थित वेद भवन में जागृति मिशन की बैठक के दौरान संयोजक डॉ. भगवत पांडेय ने कही। उन्होने कहा कि करछना में गंगा, टोंस नदी के तट पर बसे ताला, हथसरा, मदरा, महेवा, कटका मेड़रा, देहली, भगेसर, पनासा, सुलमई, बघेडा, अरई, लकटहा, बबुरा समेत कई गांव व मजरों के करीब नदियों के घाट पर बैंड बनाए जाने से बाढ़ के पानी से होने वाले हजारों एकड़ फसल और इन मजरों के नुकसान को बचाया जा सकता है। इसके लिए शासन और बाढ़ नियंत्रण बोर्ड को समय रहते निर्णय लेने की जरूरत है, और यदि ऐसा होता है तो हजारों परिवारों पर बाढ़ के संकट को टाला जा सकेगा। बैठक में तीरथ राज पांडेय, मानिक चंद्र ओझा, मनीष तिवारी, अशोक सिंह, विजयपाल, राजमणि चौधरी, कुलदीप निषाद, सुनील प्रजापति, विमल शुक्ला, कमलेश पांडेय, अतुल तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने लाखों की अंग्रेजी शराब किया बरामद

चंडीगढ़ से तस्करी करके लायी गयी 920 पेटी लगभग 55 लाख की अवैध शराब छापे में बरामद, मऊआइमा के ग्राम छाता में एक कमरे में चल रहा था गोरखपुर धंधा

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। चंडीगढ़ से तस्करी करके लायी गयी 920 पेटी लगभग 55 लाख की अवैध शराब आबकारी विभाग ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारा। जहां एक भाडे के कमरे में रखी 920 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जानकारी के अनुसार मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम छाता निवासी सीताराम पुत्र पंचम लाल तथा वीरेन्द्र कुमार पुत्र सीताराम के भाडे के कमरे काफी दिनों से चंडीगढ़ से तस्करी करके लायी जा रही। अंग्रेजी शराब एकत्रित करके बेची जा रही थी। मंगलवार को शाम के समय मुखबिर की सूचना पर असिस्टेंट कमीशनर एसके सोनकर ,सहायक आबकारी आयुक्त संतोष श्रीवास्तव , सहकारी आयुक्त विजय सिंह ,आबकारी सीओ नेहा सिंह, तथा आबकारी विभाग के

एसके शुक्ला ,अजय सिंह आदि ने छाता में छापामारी की। जहा एक कमरे में 920 पेटी अंग्रेजी शराब लगभग 44 हजार 160 शीशी 180एम एल लगभग55 लाख का माल बरामद कर लिया । सूचना पर मऊआइमा इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ,एस आई तारा चन्द्र ,संजय मौर्या ,रमेशचंद्र आदि भी पहुंच गए। बताया गया है कि चंडीगढ़ में अंगेजी शराब सस्ती है जबकि यूपी में महंगी है। बताया जाता है कि उक्त गोरख धंधा काफी दिनों से चल रहा है। फिलहाल आबकारी अधिकारियों ने मकान मालिक सीता राम और वीरेंद्र कुमार को हिरासत में लेकर शराब माफिया का नाम उगलवाने में लगी हुई है ।

उक्त नाजायज धंधा के बारे में मऊआइमा पुलिस को भनक तक नहीं

मऊआइमा। क्षेत्र में तस्करी का इतना बड़ा कारोबार चल रहा है आश्चर्य है कि मऊआइमा पुलिस को खबर तक नहीं थी। ग्रामीणों का कहना है इसमें पुलिस की भूमिका संदिग्ध है। फिलहाल पकडी गयी अवैध शराब चंडीगढ़ की है। यह असली है कि नकली है । आबकारी विभाग का कहना है कि इसकी भी जांच चल रही है।चूंकि आज से पांच वर्ष पूर्व झारखंड की नकली शराब पीने से चौदह लोग मरे थे।

न्यूज झरोखा

शिक्षक किसी भी शैक्षणिक संस्थान की रीढ़ होते हैं : प्रोफेसर राजीव मालवीय

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित एवं केक काटकर करके किया। प्राचार्य ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त दार्शनिक एवं राजनेता ही नहीं बल्कि एक महान शिक्षा शास्त्री थे वह शिक्षा के साथ नैतिकता का विकास एवं शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा के पक्षधर थे उनका विचार था कि शिक्षा और धर्म का संबंध उसी प्रकार है,जिस प्रकार शरीर और आत्मा का है। प्राचार्य ने कहा कि शिष्यों को तराश-संवार कर शिक्षक उन्हें बेहतर इंसान बनाता है। शिक्षक किसी भी शैक्षणिक संस्थान की रीढ़ होते हैं। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी शिक्षक दिवस पर नई शिक्षा नीति में शिक्षक की भूमिका विषय पर गोष्ठी हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं छात्र छात्राएं कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शांति महाविद्यालय में बच्चों को दिया गया स्मार्टफोन

सहसों। शांति महाविद्यालय बगई कला के प्रांगण में सोमवार को मुख्य अतिथि विकासखंड सहसों के ब्लाक प्रमुख गीता सिंह के हाथों कुल 76 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने छात्र- छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि बच्चे इस देश के भविष्य हैं और सभी छात्र-छात्राओं को चाहिए कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं क्षेत्र का नाम रोशन करें। प्राचार्य ए पी सिंह ने मुख्य अतिथि सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। स्मार्ट फोन पाकर सभी छात्र छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रमुख रूप से उपस्थित भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह, पी के सिंह, संजय सिंह, ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , हृदय नारायण, दिनेश सिंह, अजय पटेल, महेंद्र कुमार सहित विद्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक से ही समाज का होता है विकास

सहसों। क्षेत्र के गुलालपुर स्थित राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य शिव प्रकाश तिवारी ने शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए शत शत नमन किया कहा कि शिक्षक ही जीवन पर्यंत समाज सुधार के विकास में समर्पित होकर अग्रसर रहता है। विद्यालय के कमलाकांत शुक्ला, वीके अग्रवाल, प्रमोद नारायण मिश्रा, मूलचंद आचार्य ने भी छात्र-छात्राओं के बीच शिक्षक दिवस के महत्व के बारे में संबोधन किया। संचालन रमेश कुमार द्विवेदी जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा गंगा पार ने किया। इस अवसर पर महारानी दीन मिश्रा, राजेश कुमार मिश्र, अशोक कुमार शर्मा, जबर सिंह यादव, सुनील मिश्रा, लाल प्रताप मौर्य सहित आदि लोग उपस्थित रहे। इसी प्रकार प्रयाग पी जी कॉलेज में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। प्राचार्य डॉ आर डी तिवारी सहित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। एवं महर्षि शांडिल्य पब्लिक स्कूल गुलालपुर हेतापट्टी में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर कृष्ण मोहन त्रिपाठी, राकेश मिश्रा, राम मणि मिश्रा, विकास यादव, शिवदत्त तिवारी, उमेश कुशवाहा, देवी प्रसाद आदि पूर्व राष्ट्रपति के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको शत-शत नमन किया।

रामप्रसाद एकेडमी विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

नैनी। रामप्रसाद एकेडमी विद्यालय में शिक्षक दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें सभी बच्चों ने पूर्व उत्साह तथा समर्पण के साथ प्रतिभाग किया विद्यालय प्रधानाचार्य सुषमा सिंह ने बच्चों को बताया कि शिक्षक स्वस्थ समाज के निमार्ता होते हैं तथा वो बच्चों बच्चों को इस योग्य बनाते हैं कि वो सभी अपने जीवन में आने वाली समस्याओं का सम्मान तथा समाधान कर सकें सहायक अध्यापक दीपक पांडेय ने कहा कि हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धौयेवान होना चाहिए और समाज तथा देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर कक्षा 11वी तथा 12वीं के छात्र छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया तथा कक्षा आठवीं व नववी तथ दसवीं के छात्र छात्राओं भारतवर्ष के सभी तीर्थस्थानो के मंदिर का निर्माण करके अपनी सेर्वच्च प्रतिभा का परिचय दिया कक्षा पाहिली से सातवीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों को उपहार दिए तथा उनका मथोउचित सम्मान किया।

माधव ज्ञान केंद्र इं.का. में शिक्षक हुए सम्मानित

नैनी। विद्यालय के छात्रों ने विद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में शिक्षण कार्य स्वयं किया, इसमें प्रमुखता से शैफाली ,दिव्या, शिखा, रौनक, आश्रय, अर्पित ,आशुतोष शिक्षण का कार्य कुशलता से संपन्न किया कक्षाज वंदना सत्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला ,तथा विद्यालय की बहन अनामिका निर्मल ,नंदनी निषाद को रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान के लिए तथा शिवम भार्गव को भजन में प्रथम स्थान के लिए सम्मानित किया गया ,यह तीनों छात्र मानस नगर नैनी में गणेश महोत्सव में विद्यालय की तरफ से प्रतिभाग किए थे कइसके अतिरिक्त विद्यालय की छात्रा निशा पांडे ,अंजली पांडे, प्राची ,कशिश ,अवंतिका, शिवानी तिवारी ने एक नाटक के माध्यम से वर्तमान शिक्षा पद्धति को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया कइस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित भी किया गया।

शिक्षक दिवस पर याद किए गए सर्व पल्ली राधाकृष्णन

करछना। शिक्षक एक मोमबत्ती की भांति है जो स्वयं जल कर दूसरों को पकाश देते हैं डा दिनेश कुमार सोनी आज 5 सितम्बर को श्रीमती इंदिरा गांधी विद्यालय जगौती में शिक्षक शिरोमणि अपने देश के पथम उप राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया विद्यालय के प्रबंधक डा दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि सर्व पल्ली राधाकृष्णन का। जन्म 5 सितंबर 1988 को तमिलनाडु के तिरुपल्ला में हुआ था बताते हैं राधाकृष्णन जी बालक पन से ही होनहार छात्र थे आगे आप मैसूर के विश्व विद्यालय में प्रोफेसर रहे आगे चलकर सर्व पल्ली राधाकृष्णन अखण्ड भारत के पथम उप राष्ट्रपति बने आज सारा देश उनके जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मना रहा है शिक्षक दिवस के अवसर पर बृज बिहारी मिश्र। दरोगा जी अरुण कुमार मिश्र राममणि द्विवेदी डा दिनेश कुमार सोनी आनन्द पटवा आशा सोनी रंजना विश्व कर्मा शीषा पाण्डेय खुशबू मौर्या रिया मिश्रा अनुष्का मौर्या बिवाल विश्व कर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा के बिसहिजन खुर्द गांव के समीप अज्ञात कारणों से युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सुचना पर पंहुची मेजा पुलिस ने लिखापढ़ी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि मंगलवार की शाम पांच बजे के करीब मेजा के विसहिजन खुर्द गांव निवासी हैदर उर्फ मंटू (22) पुत्र जोखू अज्ञात कारणों से ट्रेन के आगे कूद गया। ट्रेन के इंजन में फंसकर युवक विसहिजन खुर्द से जगेपुर पावर हाउस तक घसीटता गया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिजन रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। सुचना पर पंहुची मेजा पुलिस ने लिखापढ़ी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दबंग दीवार खड़ी कर दलित बस्ती का रास्ता कर रहा अवरुद्ध

घूरपुर। क्षेत्र के बोंगी ग्राम सभा के बनिया तालाब बस्ती के पास तालाब के किनारे से जा रहे दलित बस्ती के रास्ते पर गांव का ही दबंग निर्माण कर रास्ता अवरुद्ध कर रहा है । मामले की शिकायत प्रधान प्रतिनिधि के साथ पहुंचे पीड़ित दलितों ने घूरपुर पुलिस से शिकायत की है । घूरपुर थाना क्षेत्र के बोंगी गांव के बनिया तालाब मजरे के पास स्थित तालाब के पास से दलित बस्ती के लिए रास्ता जाता है।

उक्त रास्ते पर बस्ती का ही सगीर नामक एक व्यक्ति निर्माण कर रास्ते को अवरुद्ध कर रहा था। सोमवार की शाम जब पीड़ित दलित बस्ती के लोग रास्ता बंद करने की शिकायत लेकर उसके पास गए तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए भगा दिया । पीड़ित दलित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विश्वम्भर नाथ पटेल के पास शिकायत लेकर गए तो प्रधान प्रतिनिधि पीड़ितों के साथ थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की।

कोटेदार के खिलाफ तहसील में महिलाओं का धरना प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

सोरांव। स्थानीय तहसील में मंगलवार को मोहम्मदपुर नौगावाँ उर्फ डोमनीमऊ की सैकड़ों की संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान संचालक मोहम्मद अब्दुल कादिर के अड़ियल रवैए से तंग आकर धरना प्रदर्शन दिया। वहीं लाभार्थियों का आरोप है कि कोटेदार द्वारा खाद्यान्न वितरण में अनियमितता करता है। अंगूठा लगवा कर गल्ला एक सप्ताह बाद देने की बात करता है। जब लोग एक सप्ताह बाद जाते है। तो खाधान्य खत्म हो जाने का बहाना बता कर वापस कर देता है। जो लाभार्थी हक और अधिकार के लिए अपनी आवाज उठाता है। तो वह राशन कार्ड कटवाने की धमकी देता है। इसी को लेकर मंगलवार को गांव के ही संजू देवी,

सीमा देवी, माधुरी देवी, उर्मिला देवी, गीता देवी, मिथिलेश कुमार, अर्चना, मेराज, यशोदा देवी, कंचन देवी, शोभा देवी, जरीना बेगम, सबीना बानो, फूलचंद सहित सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रकट किया। और गल्ले को सही से वितरण करवाने की लिखित मांग एसडीएम सोरांव डॉक्टर कंचन से किया।डॉक्टर कंचन ने कहा कि कोटेदार अगर खाद्यान्न वितरण में अनियमितता करता है तो इसकी जांच करवा कर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मेजा में सदस्यता अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत

सम्पन्न और समतामूलक समाज बनाने के लिए सपा को मजबूत करना होगा : नरेन्द्र सिंह

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज मेजा विधानसभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर पूरे देश और खासकर उत्तर प्रदेश में महीने भर से चल रहे सपा सदस्यता अभियान को जमुनापार मे गति देने के लिए, वरिष्ठ सपा नेता निवर्तमान प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने मंगलवार को मेजा के भड़ेवरा स्थित अपने आवास पर समाजवादी सदस्यता अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत किया। नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे सम्पन्न हुए दूसरे चरण के इस सदस्यता अभियान कार्यक्रम मे पैंसठ (65) प्रारम्भिक सदस्य बने, तथा पच्चीस (25) सक्रिय सदस्य बने जो पच्चास- पच्चास प्रारम्भिक सदस्य बनाएंगे। सदस्यता कार्यक्रम मे उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए नरेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार मे देश का युवा वर्ग कुण्ठित होता जा रहा है। सरकारी नेतृत्व का अहंकार नयी पीढ़ी को गर्त मे ढकेल रहा है तथा भाजपा सरकार के खोखले और थोथे मंसूबे किसानों, मजदूरों, मध्यमवर्गीय परिवारों, महिलाओं, छात्रों तथा अल्पसंख्यकों को बेबस और बेसहारा के साथ साथ बेजुबान बना रहे हैं।

सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने अपना नारा दोहराया

हाथ बढ़ाओ सपा की ओर, आओ बचाएं लोकतंत्र

की डोर और कहा कि लोकतंत्र भी बचाना है तथा सम्पन्न और समतामूलक समाज भी बनाना है। यह तभी संभव है जब समाज के सभी वर्गों के लोगों को आगे आकर सपा की सदस्यता ग्रहण करते हुए भारत के भविष्य अखिलेश यादव को मजबूती प्रदान करें। इस मौके पर लक्ष्मी शंकर शुक्ल (लल्लन), पीयूष कुमार सिंह (राजू), सन्त बक्स सिंह, भोला पाल, हिमांशु कुमार सिंह एडवोकेट, फिरोज खान,शिव बाबा निषाद, अरविंद यादव, माया प्रताप सिंह, राम अचल निषाद एडवोकेट, अशर्फी पाल, शिव राम पटेल, पारस निषाद, विजय बहादुर कुश्वाहा, हीरालाल पटेल, कल्लू शर्मा, राम विशाल दीपांकर, लालजी यादव, सुनील विन्द जुगुनू, राम सिंह यादव, लालता यादव, मोहन लाल यादव, राहुल यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर कौड़िहार के दो शिक्षक सम्मानित

पुलिस महानरीक्षक डॉक्टर आरके सिंह ने जय सिंह को किया सम्मानित, प्रयागराज बीएससी प्रवीण तिवारी व जय सिंह ने सीडीओ शीपू गिरी को भेंट किया स्मृति चिन्ह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुओं का सत्कार कभी न भूलें हम, इतना बने महान गगन को छू लें हम। पंक्ति गुरुओं के सम्मान की मुकम्मल चरित्रर्थ कर रही है। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। कोरियर ब्लॉक के दो शिक्षकों के सम्मान से संपूर्ण ब्लॉक प्रफुल्लित हो उठा। सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए आर्य कन्या इंटर कॉलेज मुट्ठीगंज प्रयागराज में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें कौड़िहार ब्लाक के शिक्षक जय सिंह को पुलिस महा निरीक्षक प्रयागराज डॉक्टर आरके सिंह ने शाल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं ब्लॉक की सुमन देवी को भी सम्मानित किया गया है। इसी प्रकार जिला पंचायत सभागार में भी शिक्षकों का सम्मान हुआ। इसी उपलक्ष में प्रयागराज बीएसए प्रवीण तिवारी और एआरपी जय सिंह ने प्रयागराज मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरी को स्मृति चिन्ह भेंट कर गौरवान्वित महसूस किया। जिला समन्वयक एमडीएम राजीव त्रिपाठी, कौड़िहार खंड शिक्षाधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष राधे कृष्ण, मंत्री बालेंद्र पांडे, एआरपी अजमल अमीन अंसारी, विष्णु मिश्रा, अवनीश सिंह आदि तमाम लोगों ने उन्हें बधाई दी।

चक मार्ग एवं नाली पर दो दशकों से दबंगों का कब्जा

किसानों की सिंचाई एवं आवागमन बाधित, योगीराज में प्रशासन की अनदेखी से हैरानी

अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव तहसील अंतर्गत ग्राम पसना के गैर आबाद गांव अंतरी सिकमी तरांव के चक मार्ग संख्या 3व 5 एवं नाली संख्या 4 को पिछले 20 सालों से लाल जी एवं उनके पुत्रों द्वारा अनाधिकार कब्जा करके अपने खेतों में मिला लिया गया है। जिससे आसपास के किसानों को सिंचाई एवं आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि इस संबंध में वर्ष 2002 में पड़ोसी काश्तकार रामलाल सिंह ने चक मार्ग एवं नाली पर से कब्जा खाली कराने का प्रयास किया था तो उक्त अतिचारी लाल जी एवं उसके पुत्रों द्वारा रामलाल सिंह के ऊपर प्राणघातक हमला किया गया था, जिस के परिप्रेक्ष्य में थाना कोरांव में

शिकायतकर्ता रामलाल सिंह रिटायर्ड कानूनगो

हमलावरों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिस के संबंध में सेशन कोर्ट से सजा पाए हुए सभी आरोपी उच्च न्यायालय से जमानत प्राप्त कर जेल से रिहा हैं। जिससे आज भी उक्त चक मार्ग पर भू अतिचारियों का कब्जा अनवरत बरकरार है। पीड़ित शिकायतकर्ता किसान रामलाल सिंह के अनुसार जो कि स्वयं राजस्व निरीक्षक के पद से 2019 में सेवानिवृत्ति के पश्चात उक्त चक मार्ग एवं नाली को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु तहसील कोरांव के सक्षम अधिकारियों के पास सैकड़ों बार प्रार्थना पत्र देकर थक चुके हैं लेकिन प्रशासनिक उदासीनता एवं अधिकारियों से मिलीभगत के कारण आज तक उक्त चक मार्ग एवं नाली पर से अवैध कब्जा हटाया नहीं जा सका है। जबकि वर्तमान में योगी सरकार भू अतिचारियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु अधिकारियों को बार-बार निर्देशित करती रहती है। पीड़ित आवेदक के प्रार्थना पत्रों पर संबंधित राजस्व कर्मी राजस्व कर्मी मनमानी रिपोर्ट लगाकर प्रकरण को कागज पर निस्तारित कर देते हैं जिसे तहसील के अधिकारी भी सही मानकर शिकायत को समाप्त मान लेते हैं।गौरतलब है कि इस प्रकरण में पीड़ित खुद राजस्व विभाग का सेवानिवृत्त कानूनों को है जब इस तरह के व्यक्ति को तहसील प्रशासन न्याय नहीं दे पा रहा है तब सामान्य व्यक्तियों के साथ कैसे न्याय होता होगा यह सिर्फ कल्पना की जा सकती है। पीड़ित ने बताया की तहसील से न्याय न मिलने की दशा में मजबूरन मुझे हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ेगा।

आवास लाभार्थियों ने सचिव पर पैसा मागने का लगाया आरोप, शिकायत

रत्योरा। विकासखंड कोरांव में इस समय आवास सूची से पात्र लाभार्थियों को अपात्र कर देने का खेल खेला जा रहा है, वहीं अपात्रों के नाम पात्रता सूची में जोड़ कर अपात्रों को भी आवास दे दिए जाने की शिकायत रतेवरा करपिया गांव के पात्र आवास लाभार्थियों ने दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि हम लोग पात्र हैं और आवास सूची में नाम था किंतु ग्राम सचिव कमल कुमार ने मनमाने तरीके से अपात्र कर पात्रता सूची से नाम काट दिए गए हैं। रत्योरा करपिया गांव की रहने वाली सविता देवी पत्नी संजय, पुष्पा देवी पत्नी सुशील, मनवीरता देवी पत्नी जज सिंह, करुणा देवी पत्नी प्रभु कोल, प्रभावती पत्नी कप्तान कोल, अंजू पत्नी फिरंगी कोल, शांति देवी पत्नी संजय आदि लोगो ने शिकायत में आरोप लगाया की सिग्रेट्री के द्वारा पैसा मागा जा रहा था किंतु हम लोग गरीब होने के नाते पैसा नही दिया जिससे अपात्र कर दिया गया है।आवास लाभार्थियों ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई है कि हम सभी आवास हेतु पात्र हैं। पात्रता सूची में नाम था किंतु मनमाने तरीके से अपात्र कर दिया गया है। इसी प्रकार विकासखंड के कई अन्य गांवो में भी इस प्रकार की शिकायतें मिल रही है कि पात्र आवास लाभार्थियों के आवास काट दिए जा रहे हैं। जबकि जमीनी हकीकत में वे पात्र हैं। आवास लाभार्थियों ने शिकायत कर उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सूची से काटे गए पात्र लोगों के नामों को जोड़वाने की मांग की है। इस संदर्भ में खंड विकास अधिकारी कोरांव मुकेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि 2 लाभार्थियों की शिकायतें मिली है।

खबर संक्षेप

घर में घुस कर मारा पीटा की छेडखानी

मऊआइमा। एक महिला का कहना है कि उसके पुराने घर की ईट पडोसी चोरी कर ले गए। पूछने पर घर में घुस कर मारे पीटे और छेडखानी भी किए। महिला ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम पिलखुआं निवासनीय एक महिला का आरोप है कि उसके पुराने घर की ईट घर के पास रखी थी। आरोप है कि पडोसी चार हजार ईट चोरी कर ले गए। सुबह पूछने पर घर में घुस कर मारा पीटा गया और उल्टा टांग कर अश्लील हरकतें की गई।

बीड़ी श्रमिक आश्रित छात्रवृत्ति के लिए करें आवेदन

सहसों। बीड़ी श्रमिक पाल्य तीस सितंबर तक स्कॉलरशिप का आवेदन करके उसका लाभ ले सकते हैं। भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत श्रम कल्याण संगठन लखनऊ के अधीन संचालित छात्रवृत्ति योजना के तहत बीड़ी श्रमिक के आश्रित आगामी 30 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं। उक्त जानकारी विभाग एवं चिकित्सालय फूलपुर के चिकित्सा अधिकारी वाई आर मिश्रा ने बताया कि बीड़ी श्रमिकों के पाल्य को छात्रवृत्ति योजना में अधिक से अधिक बच्चों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीड़ी श्रमिकों के पाल्य आगामी 30 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन करें।

जर्जर मकान का गिरा छज्जा मलबे में दबकर पांच की हुई मौत, नौ की हालत नाजुक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के मुट्ठीगंज क्षेत्र स्थित हटिया पुलिस चौकी के सामने मंगलवार दोपहर करीब 1:45 बजे जर्जर मकान का बारजा गिर गया। मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और जीवन ज्योति हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसमें दो की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर डीएम और एसएसपी समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। घायलों का बेहतर इलाज कराने के निर्देश दिए गए हैं। हटिया पुलिस चौकी के सामने हनुमान मंदिर ट्रस्ट के मकान में वर्षों से चार परिवार रहते हैं। ऊपर के हिस्से में लोग रहते हैं और नीचे छह दुकानें हैं। जिसमें चाय-नाश्ता, पान, कचौड़ी, साइकिल मरम्मत और सैलून की दुकान शामिल है। मंगलवार दोपहर लगभग 1.10 बजे वर्षा शुरू हुई तो लोग मकान में बने बारजे के नीचे खड़े हो गए। करीब 1:45 बजे अचानक बारजा भरभरा कर नीचे गिर गया। 14 लोग इसके नीचे दब गए। इससे लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोग मलबे को हटाने लगे। कुछ ही देर में पुलिस, अग्निशमन दल, एसडीआरएफ की टीम पहुंची और फिर मलबे को हटाकर दबे लोगों को बाहर निकाला गया।मौके पर ही एक ही मौत हो गई थी, जबकि चार ने अस्पताल पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ दिया। नौ लोगों को भर्ती कराया गया। इसमें पांच का एसआरएन और चार का रामबाग स्थित जीवन ज्योति हास्पिटल में इलाज चल रहा है। लगभग तीन बजे डीएम संजय खत्री, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। राहत बचाव कार्य और तेज हुआ। जेसीबी मंगवाकर मलबे को हटवाया गया।

पुलिस, अग्निशमन दल व एसडीआरफ की टीम बचाव कार्य में जुटी

जर्जर भवन गिरने का बना रहा डर

हालांकि मकान की जर्जर स्थिति को देखते हुए मददगारों में भी डर बना हुआ था। लोगों को डर था कि कहीं पूरा घर न गिर पड़े और मदद के दौरान वह भी घायल हो जाए। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू हुआ तो तीन लोगों को जिंदा हालात में मलबे से बाहर निकाला गया। उन्हें आनन फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि 5 अन्य लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। वही मरने वालों का नाम सुशील कुमार गुप्ता (40) पुत्र विश्वनाथ गुप्ता निवासी आर्य नगर मुट्ठीगंज। राजेंद्र पटेल (51) नीरज केसरवानी (32) पुत्र मोतीलाल केसरवानी निवासी पंचायती अखाड़ा मुट्ठीगंज। नसीरुद्दीन उर्फ सलमान (57) निवासी पिपरी थाना सरायममरेज, एक अज्ञात व्यक्ति 45 साल। तथा इस घटना में 9 लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज एसआरएन हॉस्पिटल तथा निजी हॉस्पिटल में चल रहा है।

स्कूल प्रबन्धक व शिक्षक के खिलाफ धरने पर बैठे लोग

अखंड भारत संदेश

झूंसी। फीस के लिए खुदकुशी करने वाले छात्र प्रतीक को न्याय दिलाने के लिए मंगलवार को शाम सैकड़ो लोगो ने कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में शामिल लोग थाने पर पहुंच कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए और स्कूल के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर पहुच सीओ दारागंज लोगो को समझाने का प्रयास कर रही थी पर लोग एफआईआर कराने पर अड़े रहे।

मंगलवार की शाम मृतक छात्र प्रतीक के चाचा गिरीश ओझा के साथ दर्जनों अधिवक्ता, अभिवावक, छात्र प्रतीक को न्याय दिलाने के लिए त्रिवेणीपुरम से कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में शामिल लोग पुलिस बूथ होते झूंसी थाने पहुच गए और स्कूल के प्रबन्धक, शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करने लगे। इंस्पेक्टर झूंसी वैभव सिंह लोगो को समझाने का प्रयास कर रहे थे पर कार्यवाही की मांग करते हुए लोग थाने पर ही धरने पर बैठ गए। खबर लिखे जाने तक मानमनउवल चल रहा था। बतादे की आवास विकास योजन 3 स्थित एक विद्यालय में पढ़ने वाले प्रतापगढ़ रानीगंज के डीहवट गांव निवासी प्रतीक ओझा पुत्र अनिल ओझा ने बीते गुरुवार को फाँसी लगाकर जान देदी थी। परिजनों ने छात्र की मौत का कारण फीस के लिए स्कूल में जलील होना बताया था। मामले में मृतक छात्र प्रतीक के बड़े भाई सुधीर ओझा ने स्कूल के प्रबंधक व शिक्षक के खिलाफ पुलिस से लेकर शिकायत की है।

नगर निगम परिसर में नगर आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन, नगर आयुक्त को दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम द्वारा बनाए गए गरीबों के शौचालय को सीवर लाइन से जोड़ने तथा अमृत योजना से गरीबों के घर लगाये गये नल में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन एवं ज्ञापन मंगलवार को 11 बजे गीन इंडिया फाउंडेशन एवं सर्वदलीय पार्षद पूर्व पार्षद जन कल्याण संस्था प्रयागराज के तत्वावधान में समाधान दिवस के अवसर पर नेवादा राजापुर मलिन बस्ती के गरीबों के शौचालय को सीवर लाइन से जोड़ने तथा अमृत योजना के तहत गरीबों के घरों में पानी पीने के लिए लगाए गए नल में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग को लेकर नगर निगम परिसर में नगर आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया और जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुमार गौरव की उपस्थिति में नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग को ज्ञापन दिया और ज्ञापन के माध्यम से पूर्व वरिष्ठ पार्षद शिवसेवक सिंह एवं समाजसेवी अनुराधा ने नगर आयुक्त महोदय को अवगत कराया कि खुले में शौच करने से शहर को मुक्त करने की योजना के तहत नगर निगम ने नेवादा राजापुर के मलिन बस्ती में नागरिकों को 8000 रूपया देकर शौचालय बनवाया था किन्तु न तो सीवर लाइन से जोड़ा गया और न ही सेप्टिक टैंक बनाया गया, ऐसे हालात में मलिन बस्ती के निवासी खुले में शौच करने के लिए मजबूर हैं। जिससे वायु प्रदूषण फैल रहा है और मानव स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया है। अतः अतिशीघ्र मलिन बस्ती के शौचालय को सीवर लाइन से जोड़ना सुनिश्चित कराना तथा अमृत योजना के तहत पानी पीने के लिए जिनके घर नल का कनेक्शन नहीं है ?उन गरीबों के घरों में लगाये गये नल में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना अतिआवश्यक समझते हुए आवश्यक कार्यवाही कराने की मांग है। उपरोक्त दोनों समस्याओं के समाधान शीघ्र कराने के लिए नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने महाप्रबंधक कुमार गौरव को निर्देशित किया है। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व वरिष्ठ पार्षद एवं सर्वदलीय पार्षद पूर्व पार्षद जन कल्याण संस्था प्रयागराज के अध्यक्ष शिवसेवक सिंह, ग्रीन इंडिया फाउंडेशन की संयोजक समाजसेवी अनुराधा , वरिष्ठ पार्षद कमलेश ?सिंह? अशोक सिंह , रंजन कुमार, श्रीमती धन्नो देवी ?,कु जूली , संजय भारतीय , रेखा ,आशा , आरती , भास्कर , सुमन , रीता आदि उपस्थित रहे,शिवसेवक सिंह पूर्व वरिष्ठ पार्षद एवं अध्यक्ष सर्वदलीय पार्षद पूर्व पार्षद जन कल्याण संस्था प्रयागराज।

जवाहर पंडित हत्याकांड में करवरिया बंधुओं को हाई कोर्ट से मिली पैरोल, जेल से जल्द आएंगे बाहर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पूर्व सपा विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित की हत्या में आजीवन कारावास की सजा काट रहे करवरिया बंधुओं को इलाहाबाद हाई कोर्ट से राहत मिली है। हाई कोर्ट ने अभियुक्तों को पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया है। पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया, पूर्व विधायक उदयभान करवरिया, पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया के अलावा उनके रिश्तेदार रामचंद्र तिवारी उर्फ कल्लू को एक माह की पैरोल मंजूर हुई है। कोर्ट का आदेश जेल पहुंचने पर करवरिया बंधुओं को रिहा किया जाएगा।

1996 में सिविल लाइंस की सड़क पर सरेआम हुआ था सनसनीखेज हत्याकांड : हाई कोर्ट ने मेडिकल आधार पर पैरोल दिया है। ये सभी अभियुक्तगण 2019 से जेल में बंद हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति केजे ठाकर न्यायमूर्ति और नलिन श्रीवास्तव की खंडपीठ ने दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रतापपुर से सपा विधायक विजमा यादव के पति जवाहर यादव की अगस्त 1996 में सिविल लाइंस में काफी हाउस के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कत्ल में एके-47 का पहली बार इस्तेमाल होने की बात सामने आई थी। सिविल लाइंस थाने में मुकदमा लिखा गया था। जांच सीबीसीआइडी को सौंपी गई थी। इस हत्याकांड में कोर्ट में ट्रायल ही लंबे समय तक रुका रहा। आखिरकार कार्यवाही शुरू होने पर तीनों भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पिछले कई वर्षों से तीनों करवरिया बंधु जेल में हैं। इस बीच पैरोल पर वे दो या तीन बार रिहा भी हुए थे।

न्यूज झरोखा

सत्याग्रह आंदोलन में पहुंचे विधायक राजमणि कोल, सौंपा गया ज्ञापन

मेजा रोड। मंगलवार को मेजा तहसील मे कताई मिल मजदूर संगठन मेजा इकाई द्वारा किये जा रहे सत्याग्रह आंदोलन में पहुंचे भाजपा विधायक राजमणि कोल को संगठन के मंत्री राम प्रताप पाण्डेय के नेतृत्व में मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही किए जाने की मांग की । विधायक ने आश्वासन देते हुए आंदोलन कर रहे मेजा कताई मिल के मजदूरों से कहा कि आप लोगो को बहुत कुछ बताने की जरूरत नही है। मैं भी इसी मेजा कताई मिल के सामने टाइप की दुकान चलाता था। आप लोगों की समस्या से पूरी तरह से वाकिफ हूं। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व उद्योग मंत्री से आप लोगो को जल्द ही मुलाकात करवा के आपका रुक हुआ भुगतान कराने का प्रयास करुगा।इसके अलावा बन्द पड़ी मिल में कोई दूसरे उद्योग लगाने की भी मांग करूंगा। इस मौके पर जिला मंत्री राजेश्वरी तिवारी, मंडल अध्यक्ष गोविंद मिश्र, पूर्व बी डी सी विनय शुक्ल, बबुआन द्विवेदी, विधायक प्रतिनिधि रामाश्रय शुक्ल, रमा शंकर निषाद, राजू दुबे, मजदूर संगठन के नेता हरि मोहन पांडेय,अशोक मिश्र,शेषमणि शुक्ल,अध्यक्ष कृपा शंकर शुक्ल, रघुनंदन गुप्ता सहित सैकड़ों मजदूर मौजूद रहे।

पंचायत भवन मझुआ का पिलर तोड़कर अराजक तत्वों ने गिराने का किया प्रयास

करछना। विकास खड के ग्राम पंचायत मझुआ में बीती रात नवनिर्मित पंचायत भवन में कुछ अराजक तत्वों ने पिलर को तोड़ दिया जिससे पंचायत भवन की बाउंड्री वाल की दीवार में दरारे आ गई सुबह जानकारी होने पर प्रधान मझुआ बनवारी लाल पटेल ने विकास खंड कार्यालय में अधिकारियों को अवगत कराते हुए करछना थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है प्रधान ने आरोपित किया है कि कुछ माह पूर्व नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय में कुछ अराजक तत्वों ने तोड़फोड़ कर पानी की टंकी आदि खोले ले गए थे जिसकी शिकायत दर्ज कराने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर सकी।

कस्तूरबा ट्रस्ट पसना में हुआ शिक्षक दिवस का आयोजन

पसना। कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट शाखा उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित कस्तूरबा प्राथमिक विद्यालय एवं कमल गोइंदी बालिका इंटर कॉलेज में सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गई। विद्यालय की छात्राओं द्वारा इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छात्राओं द्वारा अपनी प्रिय गुरुजनों को गिफ्ट देख कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की प्रतिनिधि तारामणि राय, शोभा पांडे, प्राथमिक विद्यालय की प्राचार्य सरिता, इंटर कॉलेज की प्राचार्य पूनम एवं अन्य शिक्षिकाएं किरण शर्मा, श्रुति,नाजरीन,संध्या श्यामकली,लक्ष्मी आदि उपस्थित रहीं।

पिपरी ग्राम एकता मंच द्वारा गांव के सभी 26 मंदिरों पर सुंदर कांड का आयोजन

धनुपुर। पिपरी ग्राम सभा एकता मंच द्वारा ग्राम सभा में स्थित 26 विभिन्न मंदिरों में सुंदर कांड का आयोजन किया गया है। जिसमें पिपरी, देवबरा धाम, बसगित, चकमनोहर शामिल है चारों मजरे मिलाकर 26 मंदिर है जिसमें से 6 सितंबर को 24 वां सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया।दो मंदिर शेष रह गए हैं बचे हुए मंदिरों पर सुंदर कांड पाठ करने के बाद पिपरी ग्राम सभा के कोतवाल श्री हनुमान जी के मंदिर प्रांगण में जहां सुंदर कांड पाठ शुरूआत किया गया था वहीं पर एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा। अखंड रामायण पाठ करने के तत्पश्चात पिपरी ग्राम सभा के समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से सुंदर कांड कार्यक्रम अनवरत चल रहा है। सहयोगियों में दिलीप सिंह, संजय पांडेय, बबलू तिवारी, हितेश शुक्ला, रितेश पांडेय, निखिल पांडेय, स्वामीनाथ उपाध्याय, गुड्डू तिवारी, सत्यदेव तिवारी, लालमणि यादव, विंकल उपाध्याय, राजेश पांडेय, अमित पांडेय पूर्व प्रधान, राधाकृष्ण पांडेय, राधेमोहन पांडेय, कश्यप देव पांडेय, संदीप सोनी, राजीव पांडेय, पवन पांडेय, अनुराग पांडेय, सनी पांडेय, संतोष यादव, डीआर यादव, सोनू यादव, प्रमोद नरेगा, अमित मिश्रा, मयंक उपाध्याय, नीरज मिश्रा, अमित गुरुजी आदि सहयोगी शामिल हैं।

जंघई जंक्शन पर पानी के लिए तरस रहे यात्रीगण

जंघई। जंघई जंक्शन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है एक दर्जन से अधिक मेल, पैसेंजर ट्रेन जंघई जंक्शन से आती जाती है। ट्रेन से चलने वाले यात्री इस चिलचिलाती धूप एवं गर्मी में जब स्टेशन पर पानी के लिए उतरते हैं तो टोटियों को खोलने पर पानी नहीं निकलता लगभग हर टोटी को खोलते हैं यात्रीगण लेकिन पानी नहीं पाते और गाड़ी चल देती है। यात्रियों को परेशानी झेलना पड़ रहा है जबकि जंघई जंक्शन है यहां पर देश के बड़े-बड़े महानगरों एवं प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आने जाने के लिए भी यात्रीगण विभिन्न ट्रेनों से आवागमन करते हैं।

पीसीएस की रद्द प्रारंभिक परीक्षा के मामले में फैसला सुरक्षित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पूर्व सैनिकों को आरक्षण के मसले पर पीसीएस-2021 की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रद्द किए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई मंगलवार को पूरी हो गई है। मामले की सुनवाई कर रही मुख्य न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अगुवाई वाली पीठ ने फैसला सुरक्षित कर लिया है।पीसीएस-2021 में शासनादेश के अनुरूप पूर्व सैनिकों को पांच फीसदी आरक्षण न दिए जाने पर पूर्व में इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर फैसला सुनाते हुए एकल पीठ ने प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिया था और नए सिरे से परिणाम जारी करने का आदेश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने हाईकोर्ट में विशेष अपील दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया गया है।दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस-2021 की इंटरव्यू प्रक्रिया भी पूरी कर ली है, लेकिन मामला कोर्ट में होने के कारण आयोग अंतिम चयन परिणाम जारी नहीं कर सकता है। पीसीएस के 678 पदों पर भर्ती के लिए 691173 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे, जो एक रिकार्ड है। प्रारंभिक परीक्षा में 7688 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया था।इसके बाद हुई मुख्य परीक्षा में 1285 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए सफल घोषत किया गया। इंटरव्यू की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। प्रारंभिक परीक्षा में शामिल लाखों अभ्यर्थियों को भी अब हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार है। वहीं, इंटरव्यू दे चुके अभ्यर्थियों के दिलों की धड़कन भी बढ़ी हुई है।

प्रतिबंधित हुक्का पिलाने पर संचालक समेत सात लोग गिरफ्तार

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के अंबेडकर नगर स्थित एक रेस्टोरेंट्स से पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर उनका चालान कर दिया। पुलिस ने दावा किया है कि उक्त रेस्टोरेंट में प्रतिबंधित हुक्का पिलाया जा रहा था। रेस्टोरेंट मालिक समेत हुक्का का सेवन करने वाले 07 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर सोमवार को सभी चालान कर दिया। इंस्पेक्टर नैनी सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पकड़े गए लोगों में संचालक नावेद निवासी अरैल मोड़, इमरान निवासी पूरा फतेह मोहम्मद, विनय कुमार यादव निवासी एडीए कॉलोनी, कपिल निषाद निवासी अंबेडकर नगर, अनुज मिश्रा निवासी कुंवर पट्टी थाना मेजा, अंकित मिश्रा निवासी कुवंर पट्टी व आमिर खान निवासी मऊआइमा शामिल हैं। रेस्टोरेंट्स से फ्लेवर, तमाकू युक्त फ्लेवर समेत अन्य उपकरण बरामद किए गए।

बाजे गाजे के साथ विदा हुए भगवान गणेश

नैनी। श्रमिक बस्ती, नैनी मे आयोजित पांच दिवसीय यमुनापार विशाल गणपति सांस्कृतिक महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को महापौर अभिलाषा गुप्ता 'नंदी' ने भगवान गणेश का पूजन, अर्चन, वंदन कियो उन्होंने पूर्णाहुति यज्ञ में सम्मिलित होकर आहुति दी। पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म हमें आपस में जोड़े रखता है और जीवन जीने का उचित मार्ग दिखलाता है। कार्यक्रम के संयोजक पं महेश मधुकर मंगरुलकर ने मेयर का स्वागत कियो तत्पश्चात बाजे - गाजे के साथ भगवान गणेश की विसर्जन यात्रा निकाली गई। विसर्जन यात्रा का जगह -जगह पर नगर-वासियों द्वारा स्वागत किया गया।विसर्जन यात्रा मानस पार्क से होते हुए पीएसी कॉलोनी, गुरु नानक नगर, रामनगर चौराहा होते हुए अरैल क्षेत्र में समाप्त हुई। इस मौके पर पंडित महेश मधुकर, राज कुमार त्रिपाठी, रवि करन सिंह तोमर, शिव शंकर दीक्षित, पार्षद नीलम यादव, आर के शुक्ला, बाल कृष्ण मिश्र, अतुल सिंह, चंद्रकांत मंगरुलकर आदि मौजूद रहे।

भजन संध्या का आयोजन : श्रमिक बस्ती, नैनी मे आयोजित पांच दिवसीय यमुनापार विशाल गणपति सांस्कृतिक महोत्सव में शनिवार रात भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें मुंबई से आई मशहूर भोजपुरी गायिका राधा श्रीवास्तव ने अपने भजनों एवं गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। पं आनन्द शर्मा, अमित श्रीवास्तव एवं जलज रंजन के मनमोहक गीतों ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए। श्रोताओं ने गीतों का खूब आनंद लिया।

दो गावों में मार पीट कई घायल आठ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दो अलग अलग गांवों में मार पीट के दौरान कई को घायल हुए है। पुलिस ने दोनों मामलों में आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दुबाही निवासी अकील अहमद पुत्र जैनुद्दीन का आरोप है कि बच्चों के विवाद को लेकर जब वह अन्य लोग बीच बचाव करने गए तो उसे और परिवार के आमिर अली ,साकिर अली को मार पीट कर बेहोश कर दिए। अकील अहमद ने मऊआइमा थाने में वासिक, बेलाल, इस्तियाक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर ग्राम धरौता भाले का वन निवासनीय गुडिया देवी पत्नी शिवकुमार का आरोप है कि उसका पुत्र दुकान पर सामान लेने गया था। रास्ते में उसके पुत्र सागर सिंह ,सोनू सिंह ,मोहित सिंह तथा लक्ष्मी सिंह को मार पीट कर घायल कर दिया गया। गुडिया सिंह ने मऊआइमा थाने में संजय शर्मा, प्रेशपल शर्मा, अमरनाथ,गीता देवी, अर्चना के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

भगवतीपुर संकुल खेल प्रतियोगिता में सराय दादन का दबदबा

श्रृंगवेरपुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में एनपीआरसी के दर्जनभर स्कूलों के छात्रों ने किया प्रतिभाग, विजेता टीम और छात्र एवं छात्राओं को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ट्राफी देकर किया गया पुरस्कृत

भगवतीपुर संकुल के पूर्व माध्यमिक विद्यालय श्रृंगवेरपुर में कबड्डी खेलते छात्र।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय श्रृंगवेरपुर में विजेता छात्र को किया गया पुरस्कृत।

लालगोपालगंज। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा हासिल करने वाले छात्र एवं छात्राओं की संकुल स्तर पर क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें दर्जनभर स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के खेल में प्रतिभाग किया। विजेता टीम एवं छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाने के लिए पुरस्कृत भी किया गया। श्रृंगवेरपुर ब्लॉक के भगवतीपुर एनपीआरसी के तहत मंगलवार को श्रृंगवेरपुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई। मां सरस्वती की फोटो पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर खेल का शुभारंभ किया गया। जिसका नेतृत्व शिक्षक अजीत कुशवाहा ने किया। कबड्डी, लंबी दौड़, ऊंची दौड़ में बालक एवं बालिकाओं को अलग-अलग वर्ग में बांटा गया था। खो-खो भी खेला गया। कबड्डी में सराय दादन के बाल वर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में जगदीशपुर खंदरौली का कबजा रहा। खो-खो में सराय दादन की टीम विजेता रही। दौड़ में सराय दादन के अभिषेक, विनीत और श्रृंगवेरपुर में आकांक्षा शर्मा, ज्योति, शिवम और रानीगंज में अर्सलान विजयी घोषित हुए। विजेता टीम और छात्र छात्राओं को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेता के रूप में गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ट्राफी इनाम में दी गई। निर्णायक की भूमिका नवरोज आलम ने निभाई। कार्यक्रम में कामना चंद्रा, ममता, अजीत कुशवाहा, लक्ष्मीकांत, अर्चना, अनुपम सिंह, अवधेश, मंजू, रूबी, आरिफा, राजकुमार, सत्यांजलि, उमा, शिव कुमारी और नोडल ओमप्रकाश मौजूद रहे।

संकुल स्तरीय कम्पोजिट विद्यालय में बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जसरा। मंगलवार को संकुल स्तरीय कम्पोजिट विद्यालय रेही में बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता में खो खो,कबड्डी, दौड़ व श्रुत लेख के साथ रंगोली का आयोजन किया गया। खेल शिक्षिका अग्रिमा पांडेय ने बताया कि 100 मीटर की दौड़ में नैतिक प्रथम,पचास मीटर की दौड़ में नितेश द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दो सौ मीटर की दौड़ में राहुल कुमार यादव प्रथम, प्रियांशी द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह श्रुत लेख अंग्रेजी में नैन्सी कुशवाहा प्रथम,श्वेता भारतीय हिन्दी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय रेही के बच्चे खो खो प्रतियोगिता बालक व बालिका वर्ग में प्रथम, कबड्डी प्रतियोगिता में रेही प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं. रंगोली प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय रेही को प्रथम स्थान दिया गया। जब कि जूनियर वर्ग के बच्चों में कबड्डी में रेही प्रथम, बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिक्षिका अग्रिमा पांडेय, भावना चौरसिया, अमरेंद्र कुमार, मुन्ना लाल,उपासना, रूची, चेतना, वंदना आदि शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने खेलकूद संपन्न कराया।

मानधाता व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों का हुआ गठन

घोषणा समारोह का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी की अध्यक्षता में मान्धाता बाजार के व्यापारियों की सर्वसम्मति से मान्धाता व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का गठन करके घोषणा-समारोह का आयोजन एक मैरेज हॉल में संरक्षक कुंदन सिंह द्वारा आयोजित हुआ।

घोषणा समारोह में मौजूद व्यापार मण्डल के पदाधिकारीगण।

इसके बाद संचालनकर्ता संतोष गुप्ता (जुगनू) ने मंचासीन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी, जिला महामंत्री संजय सोनी, जिला युवाध्यक्ष सुनील जायसवाल, जिला युवा संगठन मंत्री सुधीर केसरवानी जी को मान्धाता बाजार के वरिष्ठ व श्रेष्ठ अनेक व्ययसाइयों से माला पहनवाकर स्वागत व सम्मानित कराकर अपने मान्धाता व्यापार मण्डल संरक्षक एवं संयोजक कुन्दन सिंह व मदन सिंह (प्रधान), पूर्व मान्धाता अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रहरी, नवनिर्वाचित मान्धाता अध्यक्ष मनोज केसरवानी, महामंत्री रमेश चंद्र अग्रहरी को भी माला पहनवाकर शुशोभित किया। मान्धाता बाजार के संरक्षक कुन्दन सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों और व्यवसाईयों ने अपने-अपने वक्तव्यों में ह्रकहा कि हम सभी जात-पात का भेदभाव ना करके उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल में अपनी पूरी आस्था रखते हुए, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सदैव साथ देकर अपनी व्यापारी-एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लें। इस मौके पर जिला युवाध्यक्ष सुनील व संगठन मंत्री सुधीर, जिला महामंत्री संजय सोनी ने भी अपने विचार रखे।

असहाय छात्रों को निःशुल्क बांटा आय, निवास प्रमाण पत्र

प्रतापगढ़। बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी द्वारा संचालित निःशुल्क स्टडी सेंटर पर आर्थिक रूप से असहाय छात्रों को टीचर्स डे पर आय, निवास और जात प्रमाण पत्र की सौगात दी गई। सार्टिफिकेट पाकर छात्रों की खुशी का ठिकाना नहीं था। आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क शिक्षा देने का काम स्टडी सेंटर कर रहा है।

जिसमें काफी संख्या में क्लास छः से बारह तक के छात्र निःशुल्क कोचिंग ले रहे हैं। पैसे की तंगी के कारण छात्र आय, निवास और जाति प्रमाण पत्र नहीं बनवा पा रहे थे। सेन्टर के प्रिंसिपल शनि सरोज ने बताया कि इससे छात्र छात्राओं को वजीफा इत्यादि का फॉर्म भरने में दिक्कत आती थी। उनके भविष्य को देखते हुए इन प्रमाण पत्रों को बनवाया गया। जिसका फ्री में वितरण किया गया। नैंसी, साहिबा, शुभम, निखिल, रागिनी, लौकुश, सत्यम, नीतेश समेत कई छात्रों को लाभ मिला।

सात घंटे तक बाधित रहा ट्रेनों का संचालन

रेलवे लाइन बदलने के लिए लिया गया था ब्लॉक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन की रिमॉडलिंग के मद्देनजर रेलवे पटरी बदलने का काम शुरू है। मंगलवार को ट्रैक बदलने के लिए करीब सात घंटे का ब्लाक लिया गया। इस दौरान मेन लाइन और प्लेटफॉर्म एक पर ट्रेनों का संचालन बाधित रहा। ट्रेनों को दो और तीन प्लेटफॉर्म से निकाला गया। अभी आगे भी यही स्थिति रहेगी। ऐसा अधिकारियों का दावा है। महीनों पहले यार्ड की रिमॉडलिंग होनी थी। लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं पाई। अब जाकर इसकी शुरूआत हुई है। सोमवार को पुरानी डायमंड क्रॉसिंग को उखाड़ दिया गया है। मंगलवार को भी यही काम हुआ। यह काम बिना ब्लाक लिए हो नहीं सकता था। ट्रेनों के आवागमन में यह काम संभव नहीं है। एसएस शमीम ने बताया कि पटरी बदलने के लिए इंजीनियरिंग विभाग ने सुबह करीब साढ़े दस बजे ब्लॉक लिया था। इस दौरान ट्रेनों को दूसरे प्लेटफार्मों से निकाला गया।

रेलवे स्टेशन पर ट्रैक बदलते कर्मचारी।

चोरी की टेम्पो के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना जेठवारा के उ0नि0 अशोक कुमार सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 238/22 धारा 379,411 भादवि से संबंधित तीन अभियुक्तों रवि पाण्डेय उर्फ बाबी पुत्र अरुन पाण्डेय निवासी बिकरा, थाना जेठवारा प्रतापगढ़, ग्यान प्रकाश पाण्डेय उर्फ ग्यानु पुत्र रामचन्द्र पाण्डेय निवासी मोतीराम का पुरवा महिआमउ थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ व देवीशंकर पाण्डेय पुत्र स्व0 रामसनेही निवासी सराय खण्डेराय टिंगुआ थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ को एक टेम्पो वाहन संख्या-यूपी 72 एटी 0367 मय चोरी की 01 मोबिल आयल चेक करने की मशीन व एक वाटर कूलर के साथ थाना क्षेत्र बरईपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

विस्फोटक सामग्री व अवैध तमंचे के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

आसपुर देवसरा पुलिस को मिली सफलता

पुलिस की गिरफ्त में अभियुक्तगण।

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। मंगलवार को आसपुर देवसरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली, जब कई मामलों में वांछित चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने चेकिंग के दौरान धर दबोचा। दोनों को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने न्यायालय भेज दिया।

मंगलवार को आसपुर देवसरा निरीक्षक अरुण कुमार सिंह अपने हमराही के साथ गश्त पर थे तभी गहबरा मोड़ के पास चार लोग संदिग्ध रूप से दिखाई दिये। पुलिस को आता देख कर दो लोग वहां से फरार हो गए लेकिन दो लोगों को पुलिस ने आवश्यक बल प्रयोग करते हुए पकड़ लिया।

तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी की दो मोटरसाइकिल 8400 रुपये नगद दो अवैध तमंचा 8 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि 2 लोग भागने में फरार हो गए। एक ने अपना नाम धीरज तिवारी पुत्र अखिलेश तिवारी निवासी ग्राम बीरमपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर तथा दूसरा अखिल कुमार यादव पुत्र नरसिंह यादव निवासी हर्राई पट्टी बताया पुलिस ने उन पर आर्म्स एक्ट विस्फोटक सामग्री कूट रचना करने संबंधी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद न्यायालय भेज दिया।

लायंस क्लब हर्ष ने ग्यारह शिक्षकों को किया सम्मानित, प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान

लायंस क्लब द्वारा सम्मानित शिक्षकगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए 11 शिक्षकों श्याम शंकर शुक्ला श्याम, पुष्पा शुक्ला, राजेश बहादुर पाल, फूला देवी, डॉक्टर पूनम पांडे,विनीता सिंह, पवन कुमार मिश्र, कमलेश्वरी सिंह, अजय श्रीवास्तव, अंजली श्रीवास्तव, कमलाकांत त्रिपाठी, ज्योत्सना उपाध्याय को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अश्वनी सिंह ने कहा की एक दीपक की तरह जलकर विद्यार्थियों की अज्ञानता का अंधकार शिक्षक ही दूर करता है। गुरुजनों का सम्मान करने से व्यक्तित्व में निखार आता है। गुरू ईश्वर का स्वरूप है। लायंस क्लब के रीजन चेयरपर्सन क्षितिज श्रीवास्तव ने कहा कि एक गुरु ही है जो बच्चों के भविष्य की नींव को पुख्ता बनाकर उसे उज्जवल बनाने का कार्य करता है। इस अवसर पर लायन सतीश शर्मा, रामेश्वर पांडे, कुंवर बहादुर सिंह, डा. रविशंकर पांडेय, कृष्ण प्रताप सिंह, लालजी चैरसिया, अरविंद सिंह, अमरनाथ सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, संतोष भगवन, केशव धनगर आदि उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने चिकित्सकों को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेन्ट्रल द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में प्रो0 डॉ0 आर.सी. सक्सेना (सेवानिवृत्त के.जी.एम.सी.), रो0 डॉ0 प्रीति मिश्रा पाण्डेय, शिक्षिका प्राथमिक विद्यालय पिपरी खालसा एवं प्रो0. डॉ. मोना सक्सेना प्रोफेसर एण्ड हेड आफ बायोकेमिस्ट्री (सोने लाल पटेल स्वायत्तशासी राज्य मेडिकल कॉलेज) को सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में अध्यक्ष रो. डॉ. घनश्याम अग्रवाल, संस्थापक सचिव रो. डॉ. शिव मूर्ति लाल मौर्य, पूर्व अध्यक्षगण रो. राजेंद्र खण्डेलवाल, एवं रो. संदीप प्रकाश खरे सचिव रो. शरद केसरवानी, कोषाध्यक्ष रो. अख्तर मसूद शर्फुद्दीन, समन्वयक रक्तदान रो. अश्विनी केसरवानी, रो. मनोज श्रीवास्तव, रो. पूनम केसरवानी आदि सदस्यों के द्वारा समाज के प्रति समर्पण भाव से की जा रही सेवा कार्यों से प्रभावित होकर प्रोफेसर डॉ0आर.सी. सक्सेना ने भी अपने अनुभव और सहयोग देने की इच्छा जताई। आए हुए अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष रो. डॉ. घनश्याम अग्रवाल ने किया। संचालन रो. डॉ. शिव मूर्ति लाल मौर्य ने तथा आभार रो. अख्तर मसूद शर्फुद्दीन ने व्यक्त किया।

अज्ञात चोर उड़ा ले गये बोलेरो, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोर नगर की बाजार से दुस्साहसिक ढंग से बोलेरो उडा ले गये। सराय जगत निवासी अंकित विश्वकर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि सोमवार की रात बोलेरो चालक रिंकू गुप्ता ने लालगंज-प्रतापगढ़ नेशनल हाइवे पर पावर हाउस के सामने बोलेरो खड़ी की थी। रिंकू वहीं बुलेट शोरूम के पास किराये के मकान मे रहता है। मंगलवार की सुबह बोलेरो गायब देख चालक आवाक रह गया। वाहन स्वामी की ओर से घटना को लेकर पुलिस को तहरीर दी गयी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

साथी अधिवक्ता के खिलाफ केस दर्ज होने पर भडके वकील, नारेबाजी कर किया हंगामा

एसपी को संबोधित अपर तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। साथियों के लगातार उत्पीड़न से आक्रोशित वकीलों ने मंगलवार को तहसील परिसर मे जमकर हंगामा किया। तहसील सभागार के सामने गुम्बद पोर्टिको में भारी संख्या मे वकील एकत्रित हुए और पुलिस तथा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वकीलो ने एसपी को संबोधित एक मांग पत्र भी तहसीलदार न्यायिक को सौपकर उत्पीडन पर रोक लगाने की मांग उठाई। वही वकीलो के हंगामे से घंटो तहसील में अफरातफरी का माहौल दिखा।

लालगंज तहसील के अधिवक्ता पहले से ही कोतवाली के पूरे इच्छाराम निवासी अधिवक्ता जय नारायण यादव तथा सांगीपुर थाना क्षेत्र के निवासी अधिवक्ता राजीव तिवारी के द्वारा दर्ज कराये गये आपराधिक मुकदमों मे आरोपियो की गिरफ्तारी न होने से सप्ताह भर से खफा चल रहे हैं। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश तथा रूरल बार के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के नेतृत्व में वकीलों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने सोमवार को प्रयागराज के अपर पुलिस महानिदेशक प्रेमप्रकाश से भी मिलकर वकीलों के लालगंज क्षेत्र में उत्पीड़न पर ज्ञापन सौंपा था। सोमवार की शाम लीलापुर थाना क्षेत्र के सड़वा दुबान निवासी अधिवक्ता ईश्वरचंद्र दुबे व उनके पुत्र आशीष के खिलाफ भी केस दर्ज हो गया। यह जानकारी मिलते ही मंगलवार को वकीलों का गुस्सा बढ़ गया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश तथा महामंत्री शेष तिवारी की अगुवाई मे वकील परिसर में प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। तहसील सभागार के सामने गुम्बद पोर्टिको में वकीलो का हंगामा देख सुन तहसीलदार न्यायिक सुप्रिया चतुर्वेदी वहां पहुंची। तब वकीलों ने अधिवक्ताओं के उत्पीड़न को लेकर एसपी को संबोधित उन्हें ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में वकील की लीलापुर थाने मे फर्जी नामजदगी निरस्त कराये जाने की बात कही गयी है। पूर्व अध्यक्ष राममोहन सिंह ने कहा कि जरूरत पडी तो अब वकील सांगीपुर व लीलापुर थाने के घेराव के लिए भी कूच करेंगे। पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने कहा कि अब तो रोज प्रशासन वकीलों के खिलाफ ही एफआईआर लिखने की मनमानी पर उतर आया है। इसका अधिवक्ता संघर्ष के माध्यम से मुकाबला करेंगे। उपाध्यक्ष सिविल शहजाद अंसारी तथा उपाध्यक्ष वीके तिवारी ने भी पुलिस की मनमानी पर कड़ा आक्रोश जताया। इस मौके पर संदीप सिंह, केबी सिंह, रामकुमार पाण्डेय, विनोद मिश्र, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विनय शुक्ल, विपिन शुक्ल, सुशील शुक्ल, सिंटू मिश्र, अखिलेश द्विवेदी, कुलदीप तिवारी, धीरेन्द्र शुक्ल, केके शुक्ला, प्रमोद सिंह, शैलेन्द्र सिंह, लालता प्रसाद पाण्डेय, शिव नारायण शुक्ल, सुधाकर मिश्र, लाल विनोद प्रताप सिंह, आसिफ अली, अबरार अहमद, टीपी यादव, दिनेश सिंह, राहुल मिश्र आदि अधिवक्ता रहे।

अपहृता बरामद

प्रतापगढ़। जनपद के थाना देल्हूपुर के उ0नि0 कैलाश यादवमय हमराह म0का0 अनु तिवारी द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 23/22 धारा 366 भादवि से संबंधित 01 अपहृता थाना क्षेत्र के विश्वनाथगंज रेलवे स्टेशन के पास से सकुशल बरामद की गई।

पड़ोसी की हरकतों से परेशान युवक ने एसपी से लगाई गुहार

पट्टी, प्रतापगढ़। अपने पड़ोसी से लड़ाई झगड़े से आजिज होकर एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक से इंसाफ की गुहार लगाई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रसूलहा गांव के रहने वाले शिव कुमार पुत्र तीर्थराज ने पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ को शिकायती पत्र लिखा जिसमें उसने बताया कि वह रोजी रोटी के सिलसिले में मुंबई रहता है उसके भाई से उसका जमीन जायदाद का बंटवारा हो चुका है लेकिन उसकी भतीजी तथा उसका भाई हमेशा मारपीट करने पर उतारू रहते हैं। पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र में पीड़ित ने बताया कि उसे कभी भी फर्जी मुकदमा जा सकता है। उसने पुलिस अधीक्षक मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है।

जल झूलनी रथ यात्रा में शामिल भक्तगण।

लक्ष्मी नारायण मंदिर से निकली जल झूलनी रथ यात्रा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी लक्ष्मी नारायण मंदिर जेल रोड से जल झूलनी रथ यात्रा निकाली गई।

यह रथ यात्रा दोपहर तीन बजे निकलकर शहर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए बेल्हा देवी मंदिर पहुंची। यहा पर आरती, पूजन के बाद रथ यात्रा लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंची। रथ यात्रा में विक्की महराज, विजय श्रीवास्तव एडवोकेट, दिन्नू, मोहन, हनुमान प्रसाद, गोपी, राहुल, अंशू, मोनू, विष्णु, नीरज आदि लोग मौजूद रहे। रथ यात्रा के दौरान पुलिस बल साथ-साथ चल रहे थे।

चोरों ने बीस हजार नकदी तथा जेवरात उड़ाये, जांच मे जुटी पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोरो ने घर के अंदर घुसकर पीडिता के बीस हजार नकद व सोने चांदी के कीमती आभूषण उडा लिये। पीडिता ने चोरी की घटना को लेकर मंगलवार को अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के राजापुर जैनपुर के निवासी उदल की पत्नी बिटटन भारती ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सोमवार की रात उसके घर अज्ञात चोर घुस आये। चोरों ने परिवार के सदस्यों को कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया। इसके बाद चोरों ने घर मे रखे बाक्स का ताला तोडकर बीस हजार नकद व सोने चांदी के कीमती जेवरात चोरी कर लिया।

धरने में अभद्र भाषा के प्रयोग पर एजुकेशनल मिनिस्ट्रीरियल एसोसिएशन ने जताई आपत्ति

डीएम, सीडीओ व एसपी को लिखा पत्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वेतन की मांग को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले दिये जा रहे धरने में अमर्यादित भाषा के प्रयोग पर यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रीरियल एसोसिएशन प्रतापगढ़ ने आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने संघ को चेताया है कि किसी भी अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग न करें अन्यथा संघ के विरूद्ध एसोसिएशन धरना व हड़ताल किया जायेगा।

बता दें कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों व कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है। इसे लेकर माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा विगत 3 सितम्बर से धरना दिया जा रहा है। एसोसिएशन का आरोप है कि पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस पर करीब चार बजे शिक्षकों द्वारा कार्यालय के नये लिपिकों को कुर्सी समेत बाहर फेंकने की धमकी दी गयी। यही नहीं जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ को भ्रष्ट अधिकारी जैसे कई घोर अपमानित शब्दों का प्रयोग किया गया है। कहा कि आप सम्मानित शिक्षक है फिर भी आप द्वारा अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है जो एक आदर्श शिक्षक की गरिमा के विपरीत है। इससे कार्यालय के कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। यही नहीं डीएम, सीडीओ व पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ को भेजे पत्र में अवगत कराया है कि संघ द्वारा जबरन कार्यालय के अन्दर धरना दिया जा रहा है तथा ऊँची-ऊँची सामूहिक आवाजों में हल्ला बोलते हुए आपत्तिजनक नारे भी लगाये जाते है। जबकि कार्यालय के अन्दर धरने का कोई प्राविधान नहीं है। जिससे कार्यालय के पटल सहायकों को शासकीय व विभागीय कार्यो के निष्पादन में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

दुर्घटना में दो छात्र घायल, गुस्साई भीड ने वाहन में किया तोड़फोड़

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के घुइसरनाथ रोड पर मंगलवार की दोपहर दुर्घटना में दो छात्र घायल हो गये। दुर्घटना को लेकर मौके पर जुटी भीड़ मे गुस्सा पनप उठा। भीड़ ने दुर्घटना करने वाले मैजिक शीशे आदि तोड दिये। सूचना पर पुलिस पहुंची तब जाकर कहीं मामला शांत हुआ। दुर्घटना के बाद मैजिक चालक भाग निकला। लालगंज घुइसरनाथ रोड पर एलजी शोरूम के सामने एक तीव्र गति से आ रही मैजिक की टक्कर में दो बच्चे घायल हो गये। नगर के एक स्कूल मे पढने वाले छात्रों के दुर्घटना मे घायल होने से हडकंप मच गया। सरैंया अमावां निवासी विनोद सिंह के पुत्र आजाद 12 तथा पुत्री अंशिका सिंह 11 को चोट लग गयी। लोगों द्वारा आननफानन मे दोनों बच्चों को घुइसरनाथ नहर के समीप एक निजी अस्पताल में ले जाकर इलाज कराया गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और भीड को समझा बुझाकर शांत कराया। इधर दुर्घटना के बाद गुस्सायी भीड ने मैजिक के शीशे आदि तोड दिये। पुलिस मैजिक को कोतवाली उठा लायी। मैजिक चालक दुर्घटना होने के बाद मौके से भाग निकला। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

अवैध शराब के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार, 70 लीटर अवैध देसी शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अवैध ड्रग्स एवं अवैध शराब के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 70 लीटर अवैध कच्ची शराब अवैध देसी शराब बरामद की गई है।

थाना बाघराय से उ0नि0 जगदीश प्रसाद मय हमराह म0का0 शिवांगी कन्नौजिया द्वारा, ग्राम मदनपुर कोटवा से बरामदगी कुल 60 लीटर अवैध कच्ची शराब, मु0अ0सं0 258/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम उर्मिला उर्फ हथगहिन पत्नी लल्लू सरोज (20 लीटर), मु0अ0सं0 259/22 धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम संवारा देवी उर्फ कहमहिन पत्नी बनवारी सरोज (20 लीटर), मु0अ0सं0 260/22 धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम अनीता देवी पत्नी मथुरा सरोज निवासी मदनपुर रामपुर कोटवा, थाना बाघराय प्रतापगढ़ (20 लीट?) कुल 02 कुन्तल लहन नष्ट किया गया। थाना महेशगंज से उ0नि0 दीपक कुमार यादव मय हमराह द्वारा, ग्राम वासदेव का पुरवा से बरामदगी कुल 10 लीटर अवैध कच्ची शराब, मु0अ0सं0 227/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 बनाम धर्मराज सरोज पुत्र स्व0 निमरू सरोज निवासी बासदेव का पुरवा पूरे गजई, थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं।

दुष्कर्म के आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। प्र0नि0 विरेन्द्र सिंह यादव, थाना मांधाता मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय में पंजीकृत मु0अ0सं0 298/22 धारा 376, 452, 504, 506 भादविव धारा 5ड/6 पाक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त रोहन कुमार वर्मा पुत्र हरिप्रसाद वर्मा निवासी पीपरताली थाना मांधाताको थाना क्षेत्र के दारापुर नहर के पास से गिरफ्तार किया गया।

खबर संक्षेप

बीसीबीएलई के हाथो में है बैंक ऑफ बड़ौदा बेरौचा की प्रगति

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के बेरौचा स्थिति बैंक ऑफ बड़ौदा में तैनात ब्रांच मैनेजर भाग चंद्र व सेकेंड ऑफिसर विवेक कुमार इन दिनों बैंक की प्रगति की जिम्मेदारी बीसीबीएलई के हाथो मे सौप रखा है। सभी बीएलई बीसीओ से धमकी दे कर क्षेत्र की लोन की वसूली तो कराते ही है और तो और ब्रांच का खाता खोलने को भी उनसे कहते है ब्रांच का कार्य न करने पर बीसी का ओडी अकाउंट फ्रीज कर दिया जाता है यानी बीसी का ओडी खाता बन्द कर दिया करते है अपना खाता बंद किये जाने के डर के कारण ग्राहको को बिन बताए बीमा व अटल पेंशन के साथ केसीसी के सादे विड्रल पर हस्ताक्षर करवा कर रोल ओवर कर दे रहे है जिस कारण अक्सर ग्राहक एवं बीसी के बीच विवाद बना रहा करता है। और बैंक अफसर ब्रांच में बैठकर बीसी को अपना वेतन भोगी मजदूर की तरह कार्य ले रहे है। जिसके बाद भी महीने में लगभग 15 दिन बीसी बी एलई का ओडी खाता बंद कर दिया जाता है। जिसे बीसी का पैसा बैंक मे ही फसा रहा करता है। बीसी अपना सेंटर छोड़ कर क्षेत्र में अपना पेट्रोल लगा कर बैंको की प्रगति पूरी करते है। जितने भी खाते खुलते है जो भी प्रगति होती है सारी प्रगति बीसी के द्वारा ही हुआ करती है बीसीयो ने जिला अधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कर दोषी शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारियों पर कार्यवाही करते हुए आतंक से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई है।

सीडीओ ने की विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा

विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लम्बित आवेदनों को शीघ्र निस्तारित कराने के दियें निर्देश

अखंड भारत संदेश

अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य विकास अधिकारी

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के साथ उदयन सभागार में विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गयी बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने झटपट पोर्टल एवं निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को सहभागिता योजना के तहत निराश्रित गोवंशो के सुपुर्दगी में प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने आयुष्मान भारत येाजना के तहत बनाये जा रहें गोल्डेन कार्ड में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण की समीक्षा के दौरान कहा कि आवास योजना से लाभान्वित लोगों के यहॉ शौचालय है या नहीं, इसकी खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराया जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने उपायुक्त मनरेगा को अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य उत्कृष्ट एवं तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दियें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान जिलापूर्ति अधिकारी से स्वयं सहायता समूहों को आवंटित दुकानों के संचालन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन एवं कन्या सुमंगला योजना के तहत लम्बित सभी आवेदनों को आवश्यक कार्यवाही करते हए निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने उपायुक्त उद्योग के बैठक में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दियें। सीडीओ द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेन्स की स्थिति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, ओडीओपीएवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना सहित आदि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी विजय कुमार एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डेंगू व मलेरिया से रहे सावधान साफ सफाई का रखे विशेष ध्यान

कौशाम्बी। बरसात आते ही डेंगू व मलेरिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसके लिए विभाग की ओर से मच्छरों से सावधान रहने तथा आस पास साफ सफाई रखने की अपील मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सुषेंद्र कुमार ने की हैं। जिला मलेरिया अधिकारी अनुपमा मिश्रा ने बताया कि बरसात के समय में जलजमाव होने की स्थिति में मच्छरों के पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में बीमारियों से बचने के लिए यह सबसे आवश्यक है कि मच्छरों को पनपने ही न दिया जाए। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्ष 2020 डेंगू के 11मरीज व 2021 में डेगू के 55 मरीज मिले थे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि मलेरिया के 13 केस अभी तक सामने आए हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि घर के आस-पास व नालियों में पानी को जमा न होने दे व साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने की जरूत है। बरसात के दिनों में बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर डॉक्टर के परामर्श के बाद ही दवा लें व बिना चिकित्सक की सलाह के कोई भी दवा न ले। जिला मलेरिया अधिकारी अनुपमा मिश्रा ने बताया कि डेंगू मादा एडीज नामक मच्छर काटने से होता हैं और यह हमेशा साफ पानी में ही पैदा होता है। यह दिन के समय ही अपना शिकार बनाती है। इस बीमारी से ग्रसित लोगों को अचानक तेज बुखार, कमर जोड़ों व सिर में असहनीय दर्द होता है। इस रोग में जी मचलाना व उल्टी आना और शरीर में छोटे-छोटे दाने भी निकल आते हैं।

न्यूज झरोखा

3 वर्ष पहले फरार युवती को चौकी इंचार्ज ने किया बरामद, भेजा न्यायालय

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत अझुवा से 3 वर्ष पहले प्रेमी के साथ फरार युवती को अझुवा चौकी इंचार्ज गौरव त्रिवेदी ने बरामद कर लिया है जानकारी के अनुसार नगर पंचायत अझुवा के वार्ड नं 4 मढिया मई रसूलपुर निवासी युवती खुशबू पुत्री बचान अपने प्रेमी सुनील पुत्र श्री नाथ निवासी वार्ड नं 4 मढिया मई रसूलपुर के साथ सन 2020 मे फरार हो गयी थी जिसका मुकदमा स्थानीय थाना कोतवाली सैनी में युवती के पिता बचान ने दर्ज कराया था जिसकी तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही थी कुछ दिन पहले मुखबिर की सटीक सूचना पर चौकी इंचार्ज अझुवा गौरव त्रिवेदी सूरत शहर पहुंचे जहां से युवती को बरामद कर माननीय न्यायालय को आज सुपुर्द कर दिया है।

डिप्टी सीएम के गृह क्षेत्र में गंदगी से जूझ रहे ग्रामीण

टेढ़ीमेढ़ी कौशाम्बी। डिप्टी सीएम के क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था चौपट हो जाने से ग्रामीण परेशानियों से जूझ रहे हैं शिकायतों के बाद अधिकारी संज्ञान नहीं लेते जब डिप्टी सीएम के गृह क्षेत्र की व्यवस्था को शासन के निदेर्शों के अनुसार चुस्त-दुरुस्त करने में अधिकारी इस कदर लापरवाह है तो जिले के अन्य क्षेत्रों का क्या हाल होगा। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गृह जनपद कौशाम्बी के कड़ा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत शहजादपुर के राजन मोहल्ला में गंदगी का अम्बार लगा रहता है सड़क के ऊपर नालियों का पानी बहता रहता है सफाई कर्मी भी नदारत रहते हैं सफाई न होने से गंदगी के प्रकोप के चलते ग्रामीण आए दिन डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के शिकार होते हैं इसी गंदे पानी के ऊपर से ग्रामीणों को आवागमन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है ग्रामीणों ने जब ग्राम प्रधान से टूटी हुई नालियां व सड़क के ऊपर बहते हुए पानी के लिए कहा तो सत्ता विरोधी ग्राम प्रधान ने कहा कि आप लोगों ने हमें वोट नहीं दिया इसलिए हम इस रास्ते को नहीं बनवाएंगे। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय वरिष्ठ भाजपा नेता हेमन्त कुशवाहा से अपनी समस्या को बताया तो उन्होंने ग्रामीणों को समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया।

जूनियर विद्यालय का नहीं है भवन! प्राथमिक विद्यालय के भवन में बैठते है बच्चे

कौशांबी। मूरतगंज विकास खण्ड के गड़वा उदाथू के प्राथमिक विद्यालय व जूनियर विद्यालय के भवन बच्चो को बैठने लायक नहीं है विद्यालय के भवन में लगे दरवाजा व खिड़की गायब हो गया और विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बच्चो को प्राथमिक विद्यालय में बैठाने लगे प्राथमिक विद्यालय के भवन में पांच कमरा में क्लास एक से पांच तक के बच्चो को बैठने के लिए है इससे साफ जाहिर होता है कि 1से 5 क्लास के बच्चे कहां बैठते हैं। विद्यालय की बाउंड्री टूटी हुई है और अर्धनिर्मित बना है और आजतक पूरा नही किया गया है विद्यालय में बड़ी बड़ी घास है इसको आजतक साफ नहीं किया गया है और इससे बच्चो को डर लगता है की कही कोई जंतु काट न ले एमडीएम सेट की दुर्दशा भी एकदम जर्जर है इसमें लगे टाइल्स भी उखड़ गई है बच्चे डरते हैं की कही उनको लग न जाए विद्यालय में घास से लगता है कि जंगल है इससे लगता है की यहां कोई सफाई कर्मी नहीं आता है और इसी विद्यालय से लगा हुआ आंगनवाड़ी केन्द्र का भवन भी बना हुआ है यहां जाने का कोई रास्ता नहीं है आंगनवाड़ी केन्द्र के भवन के दरवाजे पर पानी भरा हुआ है और जंगल लगा है। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि यहां कोई सफाई नहीं होती है और बाउंड्री वाल के लिए ग्राम प्रधान को बताया गया है लेकिन नहीं बनी।

मृतक के परिजनों और चिकित्सक ने युवक की मौत की कीमत लगाई 65 हजार रुपए!

अखंड भारत संदेश

चिकित्सक की लापरवाही से इलाज के दौरान एक युवक की मौत, अवैध तरीके से चल रहे अस्पतालों पर मेहरबानी बनाए हैं स्वास्थ्य महकमा

अस्पताल संचालक से रकम लेते मृतक के परिजन

इमामगंज कौशांबी। अवैध तरीके से चल रहे एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत के बाद चिकित्सक और परिजनों ने युवक की मौत की कीमत 65 हजार रुपए लगाई है मृतक युवक के परिजन और चिकित्सकों के बीच मौत के इस मामले में 65 हजार रुपए लेने के बाद समझौता हो गया है मृतक युवक की कीमत 65 हजार रुपए लगाए जाने के बाद एक बार फिर स्वास्थ्य महकमा सवालों के घेरे में खड़ा है। जानकारी के मुताबिक मूरतगंज जीटीरोड स्थित जनता हॉस्पिटल स्वास्थ्य महकमे के मानक को दरकिनार कर अवैध तरीके से कथित चिकित्सकों द्वारा संचालित किया जा रहा है इस अस्पताल में इलाज के दौरान कथित चिकित्सक ने फिर एक व्यक्ति की जान ले ली पैर के फ्रैक्चर के ऑपरेशन के बाद मांस पेशियों में देने वाला इंजेक्शन नस में लगाते ही युवक की दर्दनाक मौत हो गई है युवक की मौत होते ही परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया मृतक युवक की मौत की कीमत 65 हजार रुपए लगाते हुए चिकित्सक ने मामले में मृतक के परिजनों से समझौता कर लिया है। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज के जुगवा गांव के रहने वाले रमेश चंद्र के पैर में फैक्चर होने के बाद उन्हें जनता हॉस्पिटल में इलाज के लिए परिजनों में भर्ती कराया जहां कथित चिकित्सकों की लापरवाही के चलते मरीज की दर्दनाक मौत हो गई है मरीज की मौत होते ही परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया हंगामा होते देख चिकित्सकों ने समझौते की बात रक्खी मजबूर परिजनों ने 65000 लेकर मामले को रफा-दफा कर दिया है। इस पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद कौशांबी का स्वास्थ्य महकमा भी अब सवालो के घेरे में है आखिर लोगो की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले ऐसे मानक विहीन हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग कार्रवाई क्यों नही करता है। चर्चा है कि एसीएमओ की मिलीभगत से मूरतगंज जीटीरोड से चंदवारी मोड़ तक ऐसे दर्जनों मानक विहीन हॉस्पिटल धड़ल्ले से चल रहे है, जो किसी डिग्रीधारक डॉक्टर के नाम पर रजिस्ट्रेशन तो करवा रखा है, लेकिन झोलाछाप डॉक्टरों के भरोसे स्वास्थ्य और सेहत से खिलवाड़ कर यह कथित चिकित्सक लोगो की जिंदगी निगल रहें है।

पीएम रोजगार सृजन कार्यमक्रम के तहत उद्योग स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति करें आवेदन

स्थापित इकाईयों को सब्सिडी, अनुदान दिया जायेंगा

कौशाम्बी। शासन द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए आनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी आर0एस0 पाल ने देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत विनिर्माण कार्य के लिए 50 लाख रुपए तथा सेवा उद्योग के लिए प्रोजेक्ट कास्ट 20 लाख तक का आवेदन कर सकतें हैं। उन्होंने बताया कि षहरी क्षेत्र के सामान्य वर्ग के लाभार्थियों (पुरूश) को 15 प्रतिषत मार्जिनमनी अनुदान व ग्रामीण क्षेत्र के (पुरूश) सामान्य वर्ग को 25 प्रतिषत तथा अन्य सभी आरक्षित वर्ग को 35 प्रतिषत मार्जिन मनी अनुदान का लाभ अनुमन्य है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र के लिए पं0 दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत स्थापित इकाईयों को सब्सिडी (अनुदान) के अतिरिक्त (अधिकतम 13 प्रतिशत तक) के ब्याज का लाभ मार्जिन मनी व अनुदान को घटाने के पश्चात शेष धनराषि पर ब्याज का भुगतान किया जायेगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि आनलाइन आवेदन करते समय उद्यमी का फोटो, आधार कार्ड, पैनकार्ड, जाति प्रमाण पत्र, षैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रधान द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र, (ग्रामीण क्षेत्र) निवास प्रमाणपत्र, सी0ए0 द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि अपलोड कराना होगा तथा किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन मंझनपुर मो0 न0- 9580503177 पर भी सम्पर्क कर सकतें है।

पुलिस ने गंभीर हमले की घटना को एनसीआर में दर्ज कर हमलावरों को दी राहत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के बरियावा गांव में 04 अगस्त को मोहनलाल पटेल पर दिन दहाड़े प्राणघातक हमले किए गए थे इस हमले में मोहनलाल के सिर में गंभीर चोटे आई थी शरीर के अन्य हिस्सों में भी उसे गंभीर चोटें थी कई दिनों तक मोहनलाल का इलाज चला 28 दिन बीत जाने के बाद भी उसकी चोट अभी ठीक नहीं हुई है हमले में घायल मोहनलाल पटेल ने जो तहरीर पुलिस को दिया था चरवा पुलिस ने मोहनलाल पर दबाव डालकर पहले दी तहरीर को फाड़कर फेंकने पर मजबूर कर दिया और अपने मनमाफिक दूसरी तहरीर लिखा कर प्राणघातक हमले में चरवा पुलिस ने एक नामजद दो अज्ञात के विरुद्ध एनसीआर दर्ज कर यहीं से हमलावरों को राहत देने का प्रयास शुरू कर दिया मोहनलाल के बार-बार प्रयास के बाद 1 सितंबर को पुलिस आरोपी मनजीत को पुलिस चौकी में पकड़ लाई फिर पुलिस चौकी से थाने भेज दिया गया उसके बाद हमले के आरोपी को थाने से छोड़ दिया गया है मामले में दो अन्य लोग अज्ञात हैं जिनकी तलाश करने के बजाय पुलिस शांत बैठ गई है चचाओं पर जाए तो प्राणघातक हमले के आरोपी मनजीत को छोड़ने की एवज में चरवा पुलिस ने 10 हजार रुपए ले लिया है हो सकता है पुलिस ने मुचलका की औपचारिकता पूरी करा ली हो यह अलग बात है प्राणघातक हमले को एनसीआर में दर्ज करने वाली चरवा पुलिस के कारनामों को आला अधिकारियों को संज्ञान लेना होगा और जहां मोहनलाल पटेल पर हमला करने वालों के मुकदमे में हेरा फेरी कर एनसीआर दर्ज करने वाली चरवा पुलिस पर कार्यवाही करनी होगी वही मोहनलाल पटेल पर हमलावर की गिरफ्तारी करा कर उन्हें जेल भेजने में लापरवाही करने के वाली पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद छोड़ने वाली पुलिस के कारनामे की जांच कराए जाने की जरूरत है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

खनन क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले 24 ग्रामों में ग्राम चिल्लासाहबाजी के तर्ज पर सोलर लाइट लगाने के दिये निर्देश, जनपद में रैक प्वांइट बनाये जाने हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित करने के दिये निर्देश

बैठक में उपस्थित डीएम सांसद व अन्य

कौशाम्बी। उदयन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद विनोद सोनकर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सांसद ने गत दिशा बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम्य सड़क योजना के तहत गाइडलाइन का उल्लघन करते हुए स्वीकृत सड़कों का बिना शिलान्यास के ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही के लिए शासन को पत्र प्रेषित किया जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता नलकूप के बैठक में न आने एवं पूर्व में पर्याप्त संख्या में नये नलकूपो की मॉग शासन से न करने पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयो में फाइवर इंटरनेट पहुँचाने के कार्य में लापरवाही बरतने पर बी0एस0एन0एल0 के अधिकारी के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि इस कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाय तथा इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारी किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। सांसद ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना की विस्तृत समीक्षा के दौरान कहा कि इस योजना के तहत डी0पी0आर0 के अनुसार कार्य किया गया है या नहीं, इसकी मजिस्टेट से ब्लॉकवार जॉच कराकर एक माह में आख्या उपलब्ध कराई जाय। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ययोजना बनाकर तेजी से गोल्डेन कार्ड बनाया जाएगा उन्होंने खनन अधिकारी से कहा कि खनन क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जनपद के 24 ग्रामों में ग्राम चिल्लासाहबाजी के तर्ज पर सोलर लाइट लगाने की कार्यवाही की जाय बैठक में उपस्थित रेलवे के अधिकारी से कहा कि जनपद में रैक प्वांइट की आवश्यकता के दृष्टिगत रैक प्वाइंट बनाये जाने हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया जाय तथा इसकी प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराई जाय। सांसद ने मुख्य विकास अधिकारी को मनरेगा के अन्तर्गत विगत 03 माह में हुए भुगतान की जॉच कराने के निर्देश दियें। उन्होने कहा कि मनरेगा के सभी श्रमिकों का श्रम विभाग में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाय, जिससे श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जा सकें।

उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के तहत प्रत्येक नगर पंचायतों में एक-एक हजार एवं नगर पालिकाओं में 02-02 हजार लाभार्थियो को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित/सुदृढ़ीकरण कराये जा रहें सड़कों की जॉच कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाय। सांसद ने सीडीओ को सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई की स्थिति की जॉच कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जल-जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा के दौरान कहा कि कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाय। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर जनपद के सभी ब्लॉकों में स्वैच्छिक रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लक्ष्य दिया है कि 2025 तक भारत को टी0वी0 बीमारी मुक्त बनाना है, इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने मिडडेमील की समीक्षा के दौरान कहा कि जनपद में अक्षय पात्र के माध्यम से मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाय। सांसद ने जनपद के सभी ब्लॉकों में शहीद स्मारक का निर्माण कराने के निर्देश दियें। उन्होंने नहरों में टेल तक पानी पहुँच रहा है या नही, इसकी जॉच कराने के भी निर्देश दिये तथा जनपद के सभी नलकूपों के संचालन की स्थिति की जॉच एडीओ (पंचायत) से एक सप्ताह में कराने के निर्देश दिये इस अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी सहित अन्य अधिकारीगण एवं जन प्रतिनिधि गण उपस्थित रहें।

मेहता महाविद्यालय में शिक्षक अभिनंदन समारोह का आयोजन

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। शिक्षक दिवस के अवसर पर भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में शिक्षक अभिनंदन समारोह एवं दीक्षा समारोह 2022 का आयोजन किया गया। इस समारोह में महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को भी सादर आमंत्रित किया गया था महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० प्रबोध श्रीवास्तव ने उनको स्मृति चिन्ह अंगवस्त्रम् एवं पुष्पमाला से सम्मानित किया इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापकों में डॉ० सुशील कुमार श्रीवास्तव, डॉ० कल्याण चंद्र मिश्र, डॉ० अवधेश कुमार अग्निहोत्री एवं डॉ० मोहम्मद खालिद मसरूर ने महाविद्यालय से जुड़े अपने अनुभवों और विचारो को अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा महाविद्यालय के प्राध्यापको की तरफ से प्राचार्य प्रो० प्रबोध श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापकों में डॉ० सुशील कुमार श्रीवास्तव, डॉ० कल्याण चंद्र मिश्र, डॉ० अवधेश कुमार अग्निहोत्री एवं डॉ मोहम्मद खालिद मसरूर ने प्राचार्य प्रो प्रबोध श्रीवास्तव को पुष्पमाला, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्रम् प्रदान कर प्राचार्य को सम्मानित किया इस समारोह में महाविद्यालय के नवनियुक्त प्रोफेसरों -प्रो ० रूबी चौधरी , प्रो० विवेक कुमार त्रिपाठी प्रो० श्वेता यादव , प्रो०पंकज कुमार, प्रो० उमा जायसवाल प्रो० विमलेश सिंह यादव एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० कैप्टन अरुण कुमार सिंह , डॉ० सतीश चंद्र तिवारी और डॉ० योगेश मिश्र को स्मृति चिन्ह अंगवस्त्रम् एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ०सी० पी० श्रीवास्तव को उनके विशिष्ट अकादमिक योगदान के लिए स्मृति चिन्ह अंगवस्त्रम एवं पुष्पमाला द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० धर्मेंद्र कुमार अग्रहरि ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत बालिका शिक्षा पर अपने विचार छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा एवं उन्हें घर घर जाकर बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। दीक्षा समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ० सी० पी० श्रीवास्तव ने नव नामांकित छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नवीन पाठ्यक्रम, परीक्षा एवं अनुशासन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। डॉ० श्रीवास्तव ने सेमेस्टर प्रणाली लागू होने मुख्य मेजर और माइनर विषय का चयन सहगामी पाठ्यक्रम, वोकेशनल पाठ्यक्रम एवं सतत आंतरिक मूल्याकन से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सी०पी० श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

भवन्स मेहता विद्याश्रम के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों को दी बधाई

भरवारी कौशाम्बी। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन शिक्षक दिवस के मौके पर 5 सितंबर को हर वर्ष शिक्षक दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है।इसी क्रम में भवन्स मेहता विद्याश्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक संदीप सक्सेना एवं प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन की प्रतिमा में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के बाद किया इसके पश्चात कई बच्चों ने शिक्षक की मिमिक्री भी किया जो बेहद ही सराहनीय रहा,कई बच्चों ने शिक्षक दिवस पर भाषण दिया,ढेर सारे बच्चों ने अध्यापकों को अनेक तरह के गिफ्ट देकर शिक्षक दिवस की बधाई दिया।इस अवसर पर निदेशक संदीप सक्सेना एवं प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने हेड मिस्ट्रेस श्रीमती निशी श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकों को गिफ्ट देते हुए शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दिया ।संचालन राकेश कुमार सिंह ने किया इस अवसर पर अवधेश मिश्रा अनिल मिश्रा,सुधाकर सिंह,राम सनेही श्रीवास्तव,सुशील श्रीवास्तव,विवेक शंकर चतुर्वेदी,नगेन्द्र द्विवेदी सहित सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रही।

महीनों बीते आंगनवाड़ी केंद्रों में नहीं पहुंच सकी हैं शासन द्वारा भेजी गई प्रचार पुस्तकें

अखंड भारत संदेश

शासन द्वारा भेजी गई प्रचार पुस्तक को बेचकर विभागीय अधिकारी धन अर्जित करने के जुगाड़ में लगे हैं

कौशांबी। सरकार विभाग की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए लाखों करोड़ों का बजट खर्च कर प्रचार पुस्तकों का प्रकाशन कर योजना की जानकारी से आम जनता को अवगत कराना चाहती है लेकिन विभागीय अधिकारियों के कारनामों के चलते सरकारी योजनाओं की जानकारी से आम जनता वंचित रह जाती हैं जिसका फायदा विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उठाते हैं और सरकारी योजनाओं में धांधली भ्रष्टाचार कर मालामाल होते हैं बीते दिनों योगी सरकार ने जिला कार्यक्रम कार्यालय के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए पुस्तकों का प्रकाशन करा कर हजारों पुस्तकें जिला कार्यक्रम अधिकारी कौशांबी को सौंपी कई महीने बीत जाने के बाद भी प्रचार की पुस्तकें विकास भवन स्थित जिला कार्यक्रम कार्यालय में धूल फांक रही हैं अभी तक विभागीय अधिकारियों द्वारा पुस्तकों को आंगनवाड़ी केंद्रों तक नहीं पहुंचाया गया है जिससे सरकार की मंशा सफल होती नहीं दिख रही है सूत्रों की मानें तो पुस्तकों को कबाड़ी के यहां बेचने की बात चल रही है और शासन द्वारा भेजी गई प्रचार पुस्तक को बेचकर विभागीय अधिकारी धन अर्जित करने के जुगाड़ में लगे हैं विभाग के कार्यालय में महीनों बाद भी एक स्थान पर एकत्रित कर डम्प की गई पुस्तकों का भंडार देखा जा सकता है प्रचार की पुस्तकों में जिला कार्यक्रम अधिकारी की इस तरह की लापरवाही के मामले को यदि शासन ने संज्ञान लिया तो जिला कार्यक्रम अधिकारी की मुसीबत बढ़ सकती हैं इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन कार्यालय में मौजूद ना होने से उनसे बात नहीं हो सकी है।

संपादकीय

यह हर भारतीय के लिए गर्व का पल है

यह मात्र संयोग हो सकता है, तो भी यह प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यधिक संतोष की बात है कि भारत ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से अपनी स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरते हुए ब्रिटेन को ही पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में भी आई है, जब ब्रिटेन अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को समर्थन देने और बढ़ती महंगाई का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसने जीवनयापन की लागत को उस स्तर तक पहुंचा दिया है, जिसकी कल्पना यूके, यूरोप और पश्चिम ने कभी नहीं की थी। भारतीय अर्थव्यवस्था की लगातार आलोचना करने वाले अर्थशास्त्री इस बात से स्तब्ध हैं कि वे ब्रिटेन की और वास्तव में पश्चिम की अधिकांश चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने में विफल रहे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का विचार है कि उनके लिए प्रचुरता से भरे दिन वास्तव में खत्म हो गए हैं और ये हमारे लिए शुरूआत हो सकती है। ब्लूमबर्ग, जिसने सबसे पहले भारत के ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की खबर को प्रसारित की थी, ने इसकी व्याख्या औपनिवेशिक संदर्भ में करते हुए कहा कि एक उपनिवेशवादी ताकत को उसके पूर्ववर्ती उपनिवेश ने ही पीछे छोड़ दिया है। सम्राट से साम्राज्य और वैभव दोनों बहुत पहले ही छीन लिए गए थे। समय के साथ ग्रेट ब्रिटेन छोटे से इंग्लैंड में सीमित हो गया। लेकिन इसकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रही और यूके ने विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं की सूची में अपना स्थान मजबूती से कायम रखा। निस्संदेह ब्लूमबर्ग रिपोर्ट में औपनिवेशिक संदर्भ आपत्तिजनक हो सकता है, लेकिन इसने इस बात को भी रेखांकित किया कि कैसे एक देश, जिसे 1947 में अपने ब्रिटिश शासकों द्वारा पस्त, चोट और खून से लथपथ छोड़ दिया गया था, अपनी खोयी हुई आर्थिक समृद्धि और ताकत को पुनः प्राप्त करने के लिए फिर से उठ खड़ा हुआ। यह बात दोहराने के दृष्टिकोण से कही जा सकती है कि भारत का ब्रिटिश उपनिवेशवाद, अनिवार्य रूप से इस देश का आर्थिक शोषण करने और भारत से ब्रिटेन को धन को हस्तांतरित करने से सम्बंधित था। पचहत्तर साल पहले, जब 15 अगस्त 1947 को यूनियन जैक की जगह तिरंगा फहराया गया था, तब विश्व जीडीपी में भारत का हिस्सा 1700 के 24.4 प्रतिशत से कम होकर मात्र 3 प्रतिशत रह गया था। ब्रिटेन समृद्ध होता गया, जबकि भारत को और गरीबी के जाल में धकेल दिया गया। पिछले आठ वर्षों में भारत के आश्चर्यजनक उदय को समझने के लिए इन आकड़ों को याद करना महत्वपूर्ण है, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को तेज गति से आगे बढ़ने में समर्थन के लिए प्रमुख नीतिगत बदलाव किए हैं। इस अवधि में खोए हुए दशकों की भरपाई करने के भी प्रयास किए गए, जब पिछली सरकारों ने सोवियत युग शैली के राज्य नियंत्रण को अपनाया और भारतीय उद्यम की क्षमता को कम करके आंका। प्रतिबंधों के लिए आकांक्षाओं की अनदेखी की गई। साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अतीत को काफी पीछे छोड़ते हुए एक ऐसे भविष्य की शुरूआत की, जो भारतीयों की कई आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उनकी क्षमता का विस्तार करेगा। साथ ही इस महान राष्ट्र के लिए तीव्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। एक ऐसा भविष्य जो यह सुनिश्चित करेगा कि अंतिम कतार का अंतिम व्यक्ति अपेक्षाकृत एक समृद्ध और संपन्न भारत का लाभ प्राप्त करने में समर्थ हो। इन आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाए गए निरंतर परिवर्तनों का प्रभाव देखा गया है, जिससे भारत की गाथा दुनिया में सबसे अधिक प्रासंगिक हो गई है। आंकड़े खुद ही इसकी कहानी बयां करते हैं। भारत वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 13.5 प्रतिशत की दर से सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। यदि हम अपनी क्रय-शक्ति के अनुकूल होते हैं, तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद इसे अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में सक्षम होता है। सभी उपलब्ध आंकड़ों और अनुमानों से पता चलता है कि अन्य देशों का सकल घरेलू उत्पाद या तो स्थिर रहेगा या कम होगा, किंतु भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगातार बढ़ता रहेगा। इसका मतलब है कि भारत अपनी बढ़त कायम रखेगा और मौजूदा कमियों को दूर करने के काम में तेजी लाएगा। वैश्विक स्तर की अर्थव्यवस्थाओं की तरह ही कोविड-19 महामारी के लगातार दो सालों ने भारत की अर्थव्यवस्था को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिकूल परिस्थितियों वाले इन सालों को अवसर में बदल दिया। उनकी दूरदर्शिता ने भारत को दूसरे देशों की तरह अपने धन एवं संसाधनों को बर्बाद करने से बचाया। अन्य देशों से अलग, उन्होंने एक सतर्क और विवेकपूर्ण विकल्प चुना जिसके तहत रोजगार पैदा करने वाली बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाया गया और उद्योग जगत में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहन आधारित योजनाओं को बढ़ावा दिया गया। दो लाख करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का असर अब दिखने लगा है। ये सभी उपाय भारत के प्रौद्योगिकी पूल का लाभ उठाने, स्टार्टअप एवं यूनिकॉर्न को प्रोत्साहित करने और वैश्विक स्तर पर निवेशकों एवं उद्योगों के साथ सीधे जुड़ने की सुविधा के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा व्यापार की बेहद आसान प्रक्रिया, नीतिगत स्थिरता, संशोधित श्रम कानून और बेहद लोकप्रिय व दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली सुनिश्चित किए जाने की पृष्ठभूमि में हुए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि मुख्य जोर अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने और लॉकडाउन वाले सालों में नीचे गिरी जीडीपी को ऊपर उठाने पर था, लेकिन इस सबके बीच प्रधानमंत्री मोदी इस महामारी की सबसे अधिक मार झेलने वाले गरीब और वंचित लोगों को बिल्कुल नहीं भूले। भारत की लगभग दो तिहाई आबादी को मुफ्त राशन प्रदान करने के दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रम और दुनिया के सबसे बड़े कोविड-19 टीकाकरण अभियान ने भारत की अर्थव्यवस्था को इस महामारी के कहर से उबरने और गति पकड़ने एवं अपना आकार बढ़ाने में काफी मदद की।

शिवराज ने 2023 की स्क्रिप्ट लिखनी शुरू कर दी...!

ऋतुपर्ण दवे

देश का दिल मध्य प्रदेश हमेशा से ही अपनी सियासत के लिए बेहद अलग मुकाम रखता रहा है। एक दौर हुआ करता था जब यहां की सियासत में रियासत बेहद खास होती थीं। अब भी हैं। लेकिन वक्त कुछ बदला जरूर है। फिलहाल एक बेहद आम और साधारण किसान परिवार से आने वाले तथा अपने दमखम पर राजनीति में खास मुकाम तक पहुंचे शिवराज सिंह चौहान न केवल मुख्यमंत्री हैं बल्कि भाजपा के मुख्यमंत्रियों में अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल को पूरा करने का रिकॉर्ड बना निरंतर बने हुए हैं। उनके भविष्य को लेकर चाहे जितनी और जैसी अटकलबाजियां लगें, वह केवल कयास से ज्यादा कुछ नहीं निकलीं।

यह वही प्रदेश है जहां पहले भी और अब भी राजघराने या यूं कहें कि राज परिवार, जागीरदार और जमींदार, सियासत में खुद को सफल बनाने और जनता से जुड़े रहने के लिए किसी न किसी तरह से सक्रिय हैं। देसी रियासतों के विलय के बाद लोकतंत्र के जरिए जनता पर शासन करने की सफल नीति को अपना रहे। मध्य प्रदेश में अब तक 32 मुख्यमंत्री बने जिनमें 4 राजघरानों से रहे हैं जिन्होंने 7 बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। संविद सरकार में गोविंद नारायण सिंह, उनके इस्तीफे के बाद गोंड आदिवासी राजा नरेशचंद्र सिंह। बाद में कांग्रेस सरकार में अर्जुन सिंह तीन बार तो दिग्विजय सिंह दो बार मुख्यमंत्री बने। मध्य प्रदेश में ग्वालियर, राघोगढ़, रीवा, चुरहट, नरसिंहगढ़, मकड़ाई, खिचलीपुर, देवास, दतिया, छतरपुर, पन्ना जैसे छोटे-बड़े राजघराने राजनीति में काफी सक्रिय और सफल थे और हैं। लेकिन गणना की जाए तो मध्य प्रदेश की सियासत की डोर कभी राजनीतिज्ञों तो कभी आम हाथों में ज्यादा रही। अब तक प्रदेश को 32 मुख्यमंत्री मिले जिनमें रविशंकर शुक्ल (एक बार), भगवंतराव मंडलोई, कैलाश नाथ काटजू, द्वारका प्रसाद मिश्रा (दो-दो बार), गोविंद नारायण सिंह, नरेशचंद्र सिंह (एक-एक बार), श्यामाचरण शुक्ल (तीन बार), प्रकाश चंद्र सेठी (दो बार), कैलाशचंद्र जोशी, विरेंद्र कुमार सकलेचा (एक-एक बार), सुंदरलाल पटवा (दो बार), अर्जुन सिंह (तीन बार), मोतीलाल वोरा, दिग्विजय सिंह (दो-दो बार), उमा भारती, बाबूलाल गौर, कमलनाथ (एक-एक बार) और शिवराज सिंह चौहान तीन बार पहले और चौथी बार अब तक हैं। जबकि प्रदेश में तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लगा। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश की राजनीति कुछ अलग तो काफी घुमावदार भी है। कभी लगता है कि राजघरानों के प्रति विश्वास बरकरार है तो कभी आदिवासी वोट बैंक निर्णायक लगते हैं। चुनाव में आदिवासियों का साफ प्रभाव यही दिखता है। बीते दो विधानसभा चुनाव के आंकड़े देखें तो सब कुछ समझ आता है।

यहां आदिवासियों की बड़ी आबादी है जिनका 230 विधानसभा सीटों में से 84 पर सीधा-सीधा प्रभाव है। आदिवासी बहुल इलाके में भाजपा को 2013 में 59 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि 2018 में 84 में 34 सीटों पर सिमट कर रह गई। शायद इन्हीं कम हुई 25 सीटों के चलते तब भाजपा सीधे-सीधे सरकार बनाने से चूक गई थी। इसे यदि आरक्षण के लिहाज से देखें तो 2013 में आरक्षित 47 सीटों में भाजपा 31 पर जीती जबकि कांग्रेस केवल 15 ही जीत पाई। वहीं 2018 के नतीजे लगभग उलट रहे जहां कांग्रेस ने 30 सीटें जीती तो भाजपा महज 16 पर सिमट गई। एक निर्दलीय भी जीता। इसी के चलते तब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी। लेकिन अन्दरुनी कलह और सत्ता में पकड़ बनाए रखने, वर्चस्व की लड़ाई में पारस्परिक विफलता के चलते केवल 15 महीनों में हुई बड़ी बगावत से कांग्रेस सरकार गिर गई। इसके लिए तब दो राजघरानों ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह की रस्साकशी सबने देखी। कमलनाथ और उनके सिपहसलारों पर उंगलियां भी उठीं। आखिर 15 सालों के निर्वासन के बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस को 15 महीनों में ही चलता कर दिया। इसमें ग्वालियर राजघराने के ज्योतिरादित्य सिंधिया की सबसे खास भूमिका रही। इसी के बाद चौथी बार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। तीन और विधायकों के इस्तीफे, तीन के निधन से मध्य प्रदेश में खाली हुई 28 सीटों पर 3 नवंबर 2020 को मतदान हुआ जिसमें भाजपा 19 तो कांग्रेस केवल 9 सीट जीत पाई। आखिर बहुमत के आंकड़ों में कांग्रेस पिछड़ गई और बचे कार्यकाल के वनवास पर मुहर लग गई। हाल ही में 347 निकाय चुनावों में भाजपा ने 256 में बढ़त दर्ज की। श्रेय शिवराज को मिला। अब शिवराज रोजाना कभी समीक्षा तो कभी मॉर्निंग एक्शन में तो कहीं जनसभा में ही अधिकारियों को फटकार और निलंबन के आदेश देते हुए बरखास्तगी की चेतावनी और सख्ती भरे तेवर दिखाते हैं। शहडोल, सिंगरौली, पन्ना, बालाघाट, उमरिया, जबलपुर, सिवनी सहित कई जिलों के उदाहरण सामने हैं। विकास कार्य समय पर कराने, आवास योजनाओं में लेटलतीफी रोकने, ढंग से राशन वितरण, व्यवस्थित सीएम राइज स्कूल, दुरुस्त शहरी पेयजल योजना, आंगनबाड़ी में पेयजल, बदहाल बिजली व्यवस्था, खस्ताहाल सड़कें, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण यानी जनता से सीधे जुड़े मसलों को लेकर शिवराज बेहद सख्त दिखते हैं। जहां से सही जवाब नहीं मिलता या अधिकारी किन्तु-परन्तु बताते हैं तो वहीं फटकार लगाते हैं। शहडोल का उदाहरण काफी है।

> **ऐसा लगता है कि सरकार की आंख,कान और हाथ बनी ब्यूरोक्रेसी को लेकर उनका हालिया अनुभव काफी कड़वा रहा जो उनके नए एक्शन से झलकता है। सिंगरौली, जबलपुर के रोड शो, धनपुरी (शहडोल) की जनसभा और उमरिया की वर्चुअल सभा इसके सशक्त उदाहरण हैं**

ऐसा लगता है कि सरकार की आंख,कान और हाथ बनी ब्यूरोक्रेसी को लेकर उनका हालिया अनुभव काफी कड़वा रहा जो उनके नए एक्शन से झलकता है। सिंगरौली, जबलपुर के रोड शो, धनपुरी (शहडोल) की जनसभा और उमरिया की वर्चुअल सभा इसके सशक्त उदाहरण हैं। वह सार्वजनिक समीक्षा करते हैं जिसे तमाम मीडिया माध्यम लाइव दिखाते हैं। उनका यह मनोविज्ञान ब्यूरोक्रेट्स को भले ही न भाए लेकिन आमजन को लुभा रहा है। मध्य प्रदेश में जहां कांग्रेस अब भी कमजोर दिख रही है तो शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी सुर्खियां कम नहीं होतीं। भाजपा संसदीय बोर्ड से बाहर होने के बावजूद उनकी शालीनता ने कहीं न कहीं राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रभावित तो किया होगा। वहीं यह कहना कि मुझसे दरी बिछाने को कहा जाएगा तो बिछाऊंगा। यह उनकी बुद्धिमत्ता है जो खुद को पार्टी से बड़ा कभी नहीं दिखाते। उनकी हालिया राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से गर्मजोशी भरी मुलाकातें और अक्टूबर में पंचायती राज के नवनिर्वाचित सदस्यों के सम्मेलन में मध्य प्रदेश आने की हामी, मिशन 2030 का विजन तैयार कर पांच मेगा प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के हाथों शुरू करा पांच बड़ी जनसभाओं के लिए आमंत्रित करना शिवराज की राजनीतिक चातुर्यता के साथ बताता है कि निगाहें 2023 के विधानसभा और 2024 के आम चुनाव से बहुत आगे देख रही हैं। इससे पार्टी में उनका प्रभाव और बढ़ेगा। वहीं प्रतिद्वंद्वियों को मजबूरन ही सही प्रधानमंत्री की सभा में शिवराज के साथ रहना ही होगा। शायद यही गुर शिवराज सिंह को और मजबूत करता है समीकरण कैसे भी बनें शिवराज सिंह की मजबूती में कोई कमीं नहीं दिखती।

ऐसे में सवाल उठता है क्या कांग्रेस भी बिखराव को थाम असंतुष्टों का साध पाएगी? बावजूद इसके मध्य प्रदेश में फिलहाल कोई तीसरी ताकत उभरती नहीं दिखती। इसलिए 2023 का सीधा मुकाबला भाजपा व कांग्रेस में होगा।

बाजी वही मारेगा जो गुटीय बिखराव समेट जनता से जुड़ेगा। बस देखना इतना है कि 2023 में किसे संगठन और जनता से सत्ता का वॉक ओवर मिलेगा और कौन फिर वनवास झेलेगा।

सायरस मिस्त्री के जीवन से क्या सीखें

आर.के. सिन्हा

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमेन सायरस मिस्त्री की सड़क हादसे में अकाल मृत्यु से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, मशहूर कलाकार जसपाल भट्टी और कांग्रेस के नेता राजेश पायलट और मोदी सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री गोपीनाथ मुंडे के सड़क हादसों का याद आना स्वाभाविक है। यह सब सड़क हादसों के ही शिकार हुए। अभी तो इन्हें देश को बहुत कुछ देना था। सायरस मिस्त्री की मौत से भारत का आमजन और कॉरपोरेट संसार हिल सा गया है। मिस्त्री चमक-धमक से दूर रहने वाले एक सज्जन, प्रतिभाशाली और गर्मजोशी से भरे मनुष्य थे। मिस्त्री अपनी पीढ़ी की श्रेष्ठ व्यावसायिक प्रतिभाओं में से एक और बेहद सज्जन किस्म के व्यक्ति थे। उनका वैश्विक दिग्गज कंपनी शापुरजी-पालनजी पालोंजी को खड़ा करने में अहम योगदान था। सायरस मिस्त्री में नेतृत्व के पर्याप्त गुण थे। उन्हीं की सरपरस्ती में शापुरजी-पालनजी मिस्त्री ग्रुप इंफ्रास्ट्रक्टर क्षेत्र के अनेक बड़े प्रोजेक्ट देश और देश से बाहर पूरे कर रहा था। राजधानी में प्रगति मैदान को भी उन्हीं की कंपनी फिर से नये ढंग से तैयार कर रही है। उन्होंने लंदन से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री भी ली थी। इसका उन्हें अपने बिजनेस को गति देने में भरपूर लाभ भी मिल रहा था। हो सकता है कि यह जानकरी सबको न हो कि सायरस मिस्त्री के दादा ही मशहूर फिल्म मुगले आजम जैसी बड़ी पिक्चर के निमार्ता थे। उन्होंने उसके निर्माण में भरपूर इनवेस्ट किया था। ये बात अलग है कि न तो सायरस मिस्त्री ने और न ही उनके पिता पालानजी मिस्त्री ने फिल्म निर्माण में कोई दिलचस्पी दिखाई । अरबों रुपये की चल-अचल संपत्ति होने पर भी सायरस मिस्त्री का लाइफ स्टाइल काफी सादगी से भरा हुआ था। वे अपने घरों के निर्माण में अरबों रुपये खर्च नहीं करते थे। वे काम भर ही से काम मतलब रखते थे। वे एक बाकी उद्योगपतियों की तरह उद्योगपतियों के संगठन सीआईआई या फिक्की से भी सक्रिय रूप से नहीं जुड़े थे। उनका किसी सियासी दल से भी कोई सीधा संबंध नहीं। कह सकते हैं कि वे एक गैरराजनीतिक इंसान थे। उनका सारा फोकस अपने बिजनेस पर ही रहता था। अभी पिछली 3 जून को ही तो उनके वयोवृद्ध पिता का निधन हुआ था।

सायरस मिस्त्री को भारत ने तब जाना था जब उन्हें रतन टाटा के बाद टाटा ग्रुप की चेयरमेनशिप मिली थी। वे टाटा ग्रुप के मुख्यालय बॉम्बे हाउस में बैठने लगे थे। यह साल 2012 की बात है। लेकिन, वे टाटा ग्रुप के चेयरमेन इसलिए बने थे क्योंकि उनके परिवार के स्वामित्व वाले ग्रुप शापुरजी-पालनजी की टाटा संस में टाटा परिवार के बाद सर्वाधिक शेयरहोल्डिंग है। उन्हें टाटा ग्रुप का पहले चेयरमेन बनवाने और फिर उस पद से हटवाने में रतन टाटा की ही भूमिका रही थी। उनके बाद एन. चंद्रशेखरन टाटा ग्रुप के चेयरमेन बने। वे टाटा ग्रुप के पहले गैरपारसी चेयरमेन हैं। कुछ उसी तरह से जैसे मिस्त्री पहले गैर टाटा थे, टाटा ग्रुप के चेयरमेन। सायरस मिस्त्री के टाटा संस के बोर्ड में 2006 में शामिल होने के बाद से ही रतन टाटा के साथ विवाद शुरू हो गया था। कहा जाता है कि विवाद के मूल में कारण यह था कि सायरस मिस्त्री चाहते थे कि टाटा ग्रुप अपने लाभ का जो हिस्सा परोपकारी कार्यों में लगाता है, उस पर लगाम लगाए। रतन टाटा इस राय को नहीं मानते थे। उनका मानना था कि टाटा ग्रुप अपने मूल लक्ष्यों से दूर नहीं जा सकता। वह राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाता रहेगा। इसमें कोई शक नहीं कि टाटा ग्रुप ने भारत में विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। सायरस मिस्त्री और रतन टाटा के रास्ते थोड़े से अलग-अलग थे। यहां पर वे हवा के रुख को समझ नहीं सके। बहरहाल, सायरस मिस्त्री को यह चिंता थी कि टाटा ग्रुप की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस, और टाटा स्टील को छोड़कर चूंकि अधिकतर कंपनियां घाटे में हैं या पर्याप्त लाभ नहीं कमा रही हैं। अतः उन्हें गति दी जाए। यह सच भी है कि टाटा ग्रुप की ताकत तो टीसीएस ही है। टाटा ग्रुप के कुल मुनाफे का बड़ा हिस्सा टीसीएस ही कमाती है। कहा तो यह भी जाता है कि सायरस मिस्त्री नैनो कार के प्रोजेक्ट में बड़े निवेश से भी नाखुश थे। वे मानते थे कि नैनो को टाटा ग्रुप ने बहुत देर से लांच किया। इससे टाटा ग्रुप को कोई खास लाभ नहीं हुआ। उनका नैनो प्रोजेक्ट पर सवाल खड़े करना रतन टाटा पर सीधे हमले करने के बराबर था। आखिर नैनो रतन टाटा के दिल करीब का प्रोजेक्ट था। वे इससे भावनात्मक रूप से जुड़े हुए थे।

इस बीच सारयस मिस्त्री के हादसे का शिकार होने के बाद ये सवाल फिर से अहम हो गया है कि हमारे देश की सड़कें और हाइवे कब जाकर पूर्णतः सुरक्षित होंगे। हर साल देश में लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सड़क हादसों के शिकार हो जाते हैं। सड़कों पर अराजकता को तो खत्म करना ही होगा।

इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। सड़क हादसों के शिकार होने वालों में 50 फीसद 14 से 35 साल की उम्र के लोग ही होते हैं। इनमें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। वैसे तो सड़क हादसों के तमाम कारण गिनाए जाते हैं। पर तेज रफ्तार से वाहन चलाना सबसे बड़ा कारण है। अभी साफ नहीं है कि जिस मर्सडीज कार में सायरस मिस्त्री सवार थे, वह कितनी स्पीड से चल रही थी। रफ्तार पर नियत्रंण तो करना होगा। तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना चाहिए। समझ नहीं आता कि कार और दूसरे वाहन चालक अनाप- शनाप गति से अपने वाहनों को क्यों दौड़ाते हैं। ये लेन ड्राइविंग में यकीन नहीं करते। ये हमेशा ओवरटेक करने की फिराक में रहते हैं। सड़क हादसों में न जाने कितने लोग जीवन भर के लिए विकलांग हो जाते हैं, इसका तो कहीं से कभी कोई आंकड़ा मिल ही नहीं सकता। सायरस मिस्त्री के निधन से दो बातें सीखी जा सकती हैं। पहली, कैसे कोई कारोबारी मीडिया की सुर्खियों से दूर रहकर काम करे। दूसरा, देश को अपनी सड़कों को सुरक्षित बनाने के ठोस उपाय करने होंगे। मुझे ऐसा लगता है कि साइरस की कार उनकी महिला मित्र की जगह कोई पेशेवर ड्राइवर चला रहा होता तो बेहतर रहता। चलो, अब तो जो होना था सो हो गया। लेकिन, मैं समझता हूं कि देश के ऊजार्वान परिवहन मंत्री नितिन गडकरी दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए अवश्य ही कोई ठोस और सख्त कदम उठाएंगे क

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

राष्ट्रीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी युद्धपोत विक्रांत और जल सेना के नए निशान का लोकार्पण किया। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक अध्याय मात्र नहीं है। बल्कि इसने राष्ट्रीय गौरव और स्वाभिमान को भी दुनिया में प्रतिष्ठित किया है। स्वतंत्रता दिवस पर नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष किया था।उन्होंने भारत को विकसित देशों की श्रेणी में पहुंचाने का संकल्प किया व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि दासता के किसी भी निशान को हटाना, विरासत पर गर्व,एकता और अपने कर्तव्यों को पूरा करना सभी का दायित्व है।इससे भारत को विकसित बनाया जा सकता है। पंच प्रण पर अपनी शक्ति,संकल्पों और सामर्थ्य को केंद्रित करना आवश्यक है। तब यह अनुमान नहीं था कि एक पखवाड़े में ही प्रधानमंत्री का कथन चरितार्थ होने लगेगा। स्वदेशी विक्रांत में सामरिक और नौ सेना के नए निशान में वैचारिक स्वाभिमान की झलक है। वर्तमान सरकार इन दोनों हो मोर्चों पर अभूतपूर्व कार्य कर रही है। इसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भी इन्हीं मोर्चों पर उल्लेखनीय पहल की थी। मोदी सरकार के दौरान इस पर शानदार प्रगति हो रही है। प्रधानमंत्री ने विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल करने के साथ नौसेना के नए ध्वज का अनावरण करके औपनिवेशिक काल की गुलाम मानसिकता के प्रतीक से छुटकारा भी दिलाया। पहले नेवी झंडे में लाल क्रॉस बना होता था, जिसे हटा दिया गया है। नए झंडे में लाल क्रॉस की जगह अब तिरंगा ने ले ली है। छत्रपति शिवाजी ने समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने हेतु सशक्त नौसेना का निर्माण किया था। छत्रपति शिवाजी से प्रेरित इस ध्वज में उनकी राजमुद्रा का अंश है। यह भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। नया निशान औपनिवेशिक अतीत से मुक्त है। देश की आजादी से अब तक नौसेना के निशान को चार बार बदला जा चुका है। अब तक सफेद रंग के आधार पर लाल रंग का क्रॉस बना हुआ था। जो सेंट जॉर्ज का प्रतीक है। ध्वज के ऊपरी कोने में तिरंगा और साथ ही क्रॉस के बीच में अशोक चिह्न बना हुआ है। भारतीय नौसेना को 02 अक्टूबर, 1934 को नेवल सर्विस को रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया था। 26 जनवरी, 1950 को इंडियन नेवी में से रॉयल शब्द को हटा लिया गया। उसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया। आजादी के पहले तक नौसेना के ध्वज में ऊपरी कोने में लगा ब्रिटिश झंडा हटाकर उसकी जगह तिरंगे को जगह दी गई। औपनिवेशिक काल के बाद अन्य पूर्व औपनिवेशिक नौसेनाओं ने अपने नए झंडे में रेड सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया,लेकिन भारतीय नौसेना ने इसे 2001 तक बरकरार रखा। इसके बाद अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार के समय 2001 में फिर एक बार ध्वज में बदलाव किया गया। इस बार सफेद झंडे के बीच में जॉर्ज क्रॉस को हटाकर नौसेना के लोगो को जगह दी गई और ऊपरी बाएं कोने पर तिरंगे को बरकरार रखा गया। 2004 में तीसरी बार ध्वज या निशान में फिर से बदलाव करके रेड जॉर्ज क्रॉस को शामिल कर लिया गया। नए बदलाव में लाल जॉर्ज क्रॉस के बीच में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ को शामिल किया गया। 2014 में एक और बदलाव कर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के नीचे सत्यमेव जयते लिखा गया था। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी ने भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत राष्ट्र को सौंपा अधिकांश स्वदेशी सामग्री के साथ यह आत्मनिर्भर भारत की शानदार उपलब्धि है।

यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को बढ़ावा देने के साथ ही नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता प्रदान करेगा। भारतीय बेड़े में आईएसी के शामिल होने के बाद भारतीय नौसेना आने वाले वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन नौसेनाओं में से एक बन गया है। भारत की स्वदेशी डिजाइन और निर्माण क्षमताओं में वृद्धि हुई है। भारत अब अमेरिका, ब्रिटेन,रूस,चीन और फ्रांस सहित उन देशों के चुनिंदा क्लबों में शामिल हो गया है, जिन्होंने चालीस हजार टन से अधिक के विमान वाहक का डिजाइन और निर्माण किया आईएसी विक्रांत को भारतीय नौसेना में शामिल किये जाने से भारत की समुद्री शक्ति में बड़ी वृद्धि हुई है। यह स्वदेशी युद्ध पोत नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता प्रदान करेगा।

अंधेरी जिन्दगियों में रोशनी के लिये नेत्रदान करें

ललित गर्ग

देश भर में हर साल 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक मनाए जाने वाले नेत्रदान पखवाड़े का मकसद यही है कि लोगों में नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर हो एवं नेत्रदान के लिये लोगों को प्रोत्साहित किया जाये। किसी व्यक्ति के जीवन में नेत्रदान के महत्व को समझने के साथ ही नेत्रदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह पखवाड़ा मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से नेत्रदान एक महान दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। किसी के द्वारा दिये गये नेत्र से किसी को जीवन में रोशनी मिल सकती है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। आंखों के अभाव में जीवन जटिल, अंधकारमय एवं अधूरा होता है। व्यक्ति की आंखें न केवल जीवनभर उसे रोशनी देती हैं वरन मरने के बाद किसी और की जिंदगी का अंधेरा भी दूर कर सकती हैं। यह अंधेरा कैसे मिटाया जा सकता है इस सवाल का जवाब भी हमारे पास ही है। नेत्रदान के जरिए ही उन लोगों के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है जिन्हें अंधेरा अभिशाप के रूप में मिला है। कॉर्निया खराबी के कारण हुई अंधता से ग्रसित व्यक्तियों के लिए नेत्रदान वरदान है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह नेत्रदान कर सकता है।

मनोवैज्ञानिक ने महिला खिलाड़ियों को लक्ष्य हासिल करने के दिये टिप्स

लखनऊ। भारतीय खेल प्राधिकरण में देर शाम तक महिला खिलाड़ियों को मनोवैज्ञानिकों द्वारा मनोबल बढ़ाने के टिप्स दिये गये। इस संगोष्ठी में 60 से अधिक महिला खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इसमें विशेषकर भारोत्तलक महिला खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा थी। वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डाक्टर अंजुमन बैन्स ने कहा कि खेल में मानसिक रूप से हमेशा फिट रहना जरूरी है। इसके लिए खिलाड़ियों को योगा पर भी ध्यान देना चाहिए। खेलते समय ध्यान केंद्रित करना ही अपने लक्ष्य को पाने का मूल मंत्र होता है। इस दौरान महिला खिलाड़ियों ने कई सवाल भी किये, जिसका मनौवैज्ञानिक ने जवाब देकर उन्हें संतुष्ट किया। साई भारोत्तोलक खिलाड़ियों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करा रही है, जिससे खिलाड़ी हमेशा मानसिक रूप से ठीक रहें और अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केन्द्रित कर सकें।

मास्टरकार्ड ने बीसीसीआई के सभी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय मैचों का टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल किया

नई दिल्ली। मास्टरकार्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित सभी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल कर लिया है। इस एसोसिएशन के दौरान मास्टरकार्ड भारत में होने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों (महिला और पुरुष दोनों) और घरेलू टूर्नामेंटों का टाइटल प्रायोजक होगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा,'बीसीसीआई 2022-23 सीज़न के लिए घरेलू क्रिकेट मैचों के शीर्षक प्रायोजक के रूप में मास्टरकार्ड का स्वागत करता है। अंतरराष्ट्रीय घरेलू श्रृंखला के साथ-साथ, बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे भारत को एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीम बनाने की दिशा में एक कदम हैं।' बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने कहा, 'हम भारतीय क्रिकेट में एक रोमांचक दौर में हैं, क्योंकि हमारे पास ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका, टी 20 विश्व कप और श्रीलंका, न्यूजीलैंड और अगले साल की शुरुआत में प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए भारत आ रहे हैं, जबकि घरेलू क्रिकेट में एक है दलीप ट्रॉफी की वापसी और एक पूर्ण रणजी ट्रॉफी सीज़न के साथ भरा हुआ कैलेंडर। 2022-23 सीज़न में सभी आयु समूहों में ढेर सारे एक्शन देखने को मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि यह एक समृद्ध साझेदारी होगी।'

18 सितम्बर से होगा 16वां अरूण शुक्ला मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

मेरठ। सोलहवां अरूण शुक्ला मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 18 सितम्बर से करन पब्लिक स्कूल में होगा। मेरठ में पहली बार कारपोरेट क्रिकेट लीग मैच खेले जाएंगे। करन पब्लिक स्कूल में पत्रकार वार्ता में टूर्नामेंट के चेयरमैन भानुप्रताप सिंह ने बताया कि अरूण शुक्ला एक अच्छे क्रिकेटर थे और पैराडाइज क्रिकेट क्लब के संस्थापक थे। 16वें अरूण शुक्ला मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में सब जूनियर कारपोरेट की टीमें भाग लेंगी। 18 सितम्बर से शुरू होने वाली यह टूर्नामेंट लीग आधार पर खेला जाएगा। आयोजन सचिव अतहर अली ने बताया कि पिछले वर्षों की भांति इस बार भी अरूण शुक्ला मेमोरियल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। मेरठ में पहली बार एशिया कप के फॉर्मेट पर टूर्नामेंट आयोजित होगा। इसमें सरकारी विभागों की टीमें बीएसएनएल, इनकम टैक्स, सिंचाई विभाग, वाणिज्य कर, पीडब्ल्यूडी, रोडवेज और कॉरपोरेट में तस्मानिया क्रिएशन स्पोर्ट्स वीडी वियर, लेम्पफोर्ड, स्पोट्स एक्ट, एनआर ब्रदर्स, योगेश-11 की टीमें जूनियर तथा सब जूनियर वर्ग में जेएसएम हापुड़, करन क्रिकेट एकेडमी, करन रेड व ब्लू, नेशनल क्रिकेट क्लब बुलंदशहर की टीमें भाग ले रहे हैं। बताया कि इसमें प्रत्येक ग्रुप में चार-चार टीमों का पूल बनेगा, जिसमें एक टीम तीन-तीन मैच खेलेंगी। दोनों पूल में प्रथम आने वाली दो टीम डायमंड कप सुपर-4 और दूसरी चार टीमों में गोल्ड सुपर-4 के लिए संघर्ष करेगी। सुपर-4 में प्रामि दो टीमों को डायमंड कप और गोल्ड कप का फाइनल होगा। ये फॉर्मेट वर्तमान में एशिया कप को देखते हुए मेरठ में पहली बार खेला जाएगा। इस अवसर पर दुर्कश यादव, सुशील त्यागी, सोरभ दत्ता, रजनीश कौशल, अमित राजपूत, अरमान अंसारी आदि उपस्थित रहे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान के लिए सूर्यकुमार, बाबर और रिजवान के बीच रोमांचक जंग

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के बीच आईसीसी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान के लिए रोमांचक जंग छिड़ी हुई है।

संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे एशिया कप में एशिया में आजम, सूर्यकुमार और रिजवान टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान के लिए करीबी संघर्ष में हैं।

बाबर एशिया कप में बड़े रन नहीं बनाने के बावजूद शीर्ष स्थान पर कायम है। लेकिन बाबर के कम स्कोर और पिछले हफ्ते रिजवान और सूर्यकुमार के अर्धशतकों से इस हफ्ते रैंकिंग में शीर्ष पर बदलाव देखने को मिल सकता है।

रिजवान एशिया कप में अब तक तीन मैचों में 192 रन के

साथ सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल है। वहीं सूर्यकुमार ने हांगकांग के खिलाफ 26 गेंदों में नाबाद 68 रन की सनसनीखेज पारी खेली, जबकि बाबर ने अब तक तीन मैचों में 10, 9 और 14 का स्कोर किया है। वर्तमान में बाबर 810 रेटिंग अंकों के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर है। रिजवान ने 796 अंकों के साथ दूसरे और सूर्यकुमार 792 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे एंड्री रुबलेव

न्यूयॉर्क। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी एंड्री रुबलेव ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। रूबलेव ने पुरूष एकल वर्ग के अंतिम 16 मुकाबले में कैमरन नोरी को शिकस्त दी।

रुबलेव ने दो घंटे 26 मिनट तक चले मुकाबले में ब्रिटेन के नोरी को 6-4, 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल में रुबलेव का सामना घरेलू उम्मीद फ्रांसेस टियाफो से होगा जिन्होंने चार बार के चैंपियन राफेल नडाल को हराया था।

मैच के बाद रुबलेव ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यह काफी कठिन मैच था, खासकर जब हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। पिछली बार उसने मुझे हराया था, इसलिए निश्चित रूप से मैं यह सोचकर कोर्ट पर आ रहा था कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए, वास्तव में अच्छा खेलना चाहिए, और मुझे लगता है

कि आज मैंने एक अच्छा मैच खेला।

उन्होंने कहा, कैमरून शायद थोड़ा थक गया था, क्योंकि आखिरी कुछ क्षणों में उसने कुछ खराब शॉट खेले, लेकिन यह यूएस ओपन है, यह एक ग्रैंड स्लैम है और हर कोई जीतना चाहता है। तो यह सामान्य है। अंत में मैं तीन सेटों में जीतने में सफल रहा और मैं बहुत खुश हूं।

यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला बनीं इगा स्विएटेक

न्यूयॉर्क। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने न्यूयॉर्क में चल रहे यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्विएटेक ने सोमवार रात खेले गए अंतिम 16 मुकाबले जूल निमेयर को शिकस्त दी।

लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्विएटेक ने निमेयर को 2-6, 6-4, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ ही स्विएटेक यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला बन गईं।

स्विएटेक का अंतिम आठ में मुकाबला बुधवार को जेसिका पेगुला से होगा। मैच के बाद स्विएटेक ने संवाददाताओं से कहा, ईमानदारी से कहूं तो दूसरे सेट के शुरू में मुझे लगा जैसे मैं बस थोड़ी कम गलतियाँ कर रही

हूँ, हालांकि निमेयर की आक्रामकता भी कुछ कम हो गई थी और मेरे लिए सिर्फ गेंद को खेलना आसान था। मैंने अपने अवसरों का थोड़ा अधिक उपयोग किया। स्विएटेक ने कहा, मुझे सिर्फ इस बात पर गर्व है कि मैंने उम्मीद नहीं खोई। मुझे उसे पीछे धकेलने में मुश्किल हुई। मुझे खुशी है कि इसने काम किया। मैंने अपने अनुभव का इस्तेमाल पूरे मैच में अपने स्तर को बनाए रखने के लिए किया।

लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्विएटेक ने निमेयर को 2-6, 6-4, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ ही स्विएटेक यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली पोलिश महिला बन गईं।

कोको गॉफ पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

न्यूयार्क। अमेरिका की स्टार युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। 12वीं वरीय गॉफ ने अंतिम 16 में चीन की झांग शुआई को सीधे सेटों में 7-5, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 18 वर्षीय गॉफ 2009 के बाद से यहां क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी महिला खिलाड़ी हैं। क्वार्टर फाइनल में गॉफ का सामना 17वें नंबर की कैरोलिन गार्सिया से होगा। गार्सिया ने एलिसन रिस्के-अमृतराज को हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई है। गार्सिया ने अमृतराज को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। गॉफ के खिलाफ मैच को लेकर गार्सिया ने कहा है कि मैंने गॉफ के खिलाफ पहले कभी नहीं खेला है। मैं वास्तव में इसके लिए उत्सुक हूं। यह एक अच्छा अनुभव है। मैं खुद को तैयार करूंगी। मेरे पीछे मेरी छोटी टीम होगी। यह सबसे महत्वपूर्ण है, जिन लोगों की आप परवाह करते हैं, वे आपका समर्थन कर रहे हैं। क्वार्टर फाइनल में गॉफ के खिलाफ मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

डब्ल्यूबीबीएल के आठवें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स ने जेमिमाह रोड्रिग्स के साथ किया करार

मेलबर्न। मेलबर्न रेनेगेड्स ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आठवें सत्र के लिए मंगलवार को भारतीय बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स के साथ करार किया है। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रोड्रिग्स ने पिछले सीजन में 116 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 333 रन बनाए थे।

रोड्रिग्स ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 17 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। रोड्रिग्स ने तब से अब तक 58 टी 20 अंतरराष्ट्रीय, 21 एकदिवसीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और अपने देश के लिए दो आईसीसी टी 20 विश्व कप खेले हैं, जिसमें 2020 विश्व कप फाइनल भी शामिल है।

करार को लेकर रोड्रिक्स ने कहा कि वह डब्ल्यूबीबीएल में स्टार्स का हिस्सा बनने के लिए मेलबर्न लौटने का और इंतजार नहीं कर सकतीं। रोड्रिक्स ने मेलबर्न स्टार्स द्वारा जारी एक

आधिकारिक बयान में कहा, मैं स्टार्स परिवार का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे बताया गया है कि मैं स्टार्स के साथ करार करने वाली पहली भारतीय हूं और ऐसा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में मेलबोर्न हमेशा से मेरा पसंदीदा शहर रहा है और मैं वहां वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती!

महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा कि उनका करार क्लब के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

क्राउच ने कहा, भारत में हमारे बहुत सारे प्रशंसक हैं। हमारे दस्ते में जेमिमाह की गुणवत्ता के खिलाड़ी को शामिल करना क्लब के लिए काफी अच्छा है। मुझे यकीन है कि डब्ल्यूबीबीएल में जेमिमाह के बहुत जल्द काफी प्रशंसक हो जाएंगे।

मेलबर्न स्टार्स टीम में शामिल होने से पहले रोड्रिक्स भारत के लिए एशिया महिला कप में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेंगी। मेलबर्न स्टार्स की टीम- मेग लैनिंग, लुसी क्रिप्स, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गर्थ, राइस मैककेना, साशा मोलोनी, सोफी रीड, जेमिमाह रोड्रिग्स (भारत) और एनाबेल सदरलैंड।

झुंझुनू की अनिता ने 48 वर्ष की उम्र में अफ्रीका में लगाई 90 किलोमीटर दौड़

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के मंडावा क्षेत्र के बहादुरवास गांव की बहू अनिता जानू ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। 48 वर्ष की उम्र में अनिता ने अपनी 25 वर्ष की बेटी नुपुर जानू के साथ सात समंदर पार दक्षिण अफ्रीका के डरबन में 90 किलोमीटर की दौड़ लगाकर कांस्य पदक जीता है। द कॉमरेड्स अल्ट्रामैराथन 2022 में अनिता व नूपुर ने 10 घंटे 52 मिनट 31 सैकंड में 90 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। 28 अगस्त को आयोजित द अल्टीमेट ह्यूमन रेस 100वीं कॉमरेड्स अल्ट्रा मैराथन में भारत के करीब 211 धावकों ने दमखम दिखाया। इसमें पूरे भारत से छह महिलाएं थी। इनमें से भी दो राजस्थान के झुंझुनू जिले की थी।

जानू के परिवार के सदस्य

प्रमोद जानू ने बताया कि अनिता ने इससे पहले जयपुर में मार्च 2022 में आयोजित जयपुर मैराथन में 4 घंटे 16 मिनट में 42 किलोमीटर की दौड़ लगाई थी। जयपुर में वह दूसरे स्थान पर रही थी। उस समय उसे श्रेष्ठ महिला धावक का खिताब मिला था। अनिता का पीहर आबूसर गांव में है। वह गृहिणी है जबकि नुपुर बहुराष्ट्रीय कम्पनी में गुरुग्राम में कार्यरत है। अनिता के ससुर गणेश जानू ने बताया कि उनको अपनी बहू व पोती पर गर्व है।

अनिता ने वजन बढने पर 44 साल की उम्र में दौड़ लगाना शुरू किया था। इसके बाद ज्यों ज्यों वजन कम होता गया दौड़ उतनी ही तेज होती गई।

एक जगह मां को सम्मानित होते देखकर बेटी ने भी दौड़ शुरू कर दी। नूपुर ने दिसंबर 2021 में जैसलमेर में आयोजित 100 किमी की अल्ट्रामैराथन दौड़ अपने पिता अनिल जानू के साथ 15 घंटे में पूरी की थी। अनिल जानू भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन हैं।

अब आईपीएल में भी नहीं दिखेगा रैना का जलवा, क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का एलान कर दिया है। अब रैना आईपीएल और घरेलू क्रिकेट खेलते हुए भी नहीं दिखेंगे। रैना ने 15 अगस्त 2020 को महेंद्र सिंह धोनी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इसके बाद आईपीएल में उनका प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था। इसी वजह से आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। अब रैना ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है। सुरेश रैना आईपीएल के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और उन्हें मिस्टर आईपीएल भी कहा जाता था। हालांकि, बाद में उनका फॉर्म खराब हुआ और इस टूर्नामेंट में भी रैना संघर्ष करते नजर आए।

सुरेश रैना ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा ÷मेरे देश और मेरे राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात रही। मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास का एलान करना चाहूंगा। मैं बीसीसीआई, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन चेन्नई सुपर किंग्स, राजीव शुक्ला सर और अपने सभी फैंस को धन्यवाद कहना चाहूंगा।÷ सुरेश रैना ने अपने पसंदीदा कप्तान महेंद्र सिंह धोनी

के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इसके पीछे रैना ने कई कारण बताए थे। उन्होंने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा था- हमने पहले ही 15 अगस्त के दिन रिटायर होने का प्लान बनाया था। धोनी की जर्सी का नंबर 7 है और मेरी 3 है। इसे मिलाकर 73 बनाते हैं। 15 अगस्त, 2020 को भारत ने आजादी के 73 साल पूरे किए। इसलिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता था।

रैना ने कहा था- धोनी ने अपने करियर की शुरुआत 23 दिसंबर (2004) को बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में की थी, जबकि मैंने अपना डेब्यू 30 जुलाई (2005) को श्रीलंका के खिलाफ किया था। हम दोनों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगभग एक साथ शुरुआत की, सीएसके में साथ रहे और इसलिए अब हम एक साथ रिटायर हुए।

भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज

रैना ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 18 टेस्ट, 226 वनडे और 78 टी-20 मुकाबले खेले। टेस्ट में रैना के नाम एक शतक के साथ 768 रन हैं। 226 वनडे मैचों में रैना ने पांच शतक की मदद से 5615 रन बनाए। वहीं, 78 टी-20 मुकाबलों में रैना ने भारत के लिए 1604 रन बनाए। इसमें एक शतक भी शामिल है। रैना तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए शतक लगाने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों में से हैं।

आईपीएल में रैना के नाम दर्ज हैं कई रिकॉर्ड

सुरेश रैना के नाम आईपीएल में कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। उन्होंने प्लेऑफ में सबसे ज्यादा रन (714) प्लेऑफ और फाइनल मैच को मिलाकर सबसे ज्यादा छक्के (40) सबसे ज्यादा चौके (51) सबसे ज्यादा अर्धशतक (7) सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंद) और पावरप्ले में सबसे बड़ा स्कोर (87 रन) भी बनाया है। वे एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आईपीएल के फाइनल, क्वालीफायर और एलिमिनेटर मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता है।

राफेल नडाल उलटफेर का शिकार, फ्रांसिस टियाफो ने हराया, रुबलेव क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क। यूएस ओपन के चौथे राउंड में राफेल नडाल उलटफेर का शिकार हुए हैं। 22 ग्रैंडस्लैम जीत चुके राफेल नडाल को अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने 6-4, 4-6, 6-4, 6-3 के अंतर से हराया। इसके साथ ही नडाल का इस साल अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम और करियर का पांचवां यूएस ओपन जीतने का सपना टूट गया। नडाल ने अपने करियर में रिकॉर्ड 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इनमें 14 फ्रेंच ओपन, चार यूएस ओपन, दो विम्बलडन और दो ऑस्ट्रेलियन ओपन शामिल हैं। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेलते हुए, 24 वर्षीय ने नडाल के खिलाफ तीन घंटे, 31 मिनट तक संघर्ष किया और शानदार खेल दिखाया। यूएस ओपन में चार बार के चैंपियन राफेल नडाल को हराकर टियाफो ने अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। टियाफो 2018 में जॉन इस्नर के बाद इस टूर्नामेंट में अंतिम आठ में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी हैं।

एंड्री रुबलेव ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में नौवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन के कैमरन नोरी को 6-4, 6-4, 6-4 से मात दी। अब रुबलेव का सामना टियाफो से होगा।

कोरोना के चलते चीन ने 6.5 करोड़ लोगों पर लगाई लॉकडाउन की पाबंदी

बीजिंग । कोरोना संक्रमण के चलते चीन ने साढ़े छह करोड़ नागरिकों को सख्त प्रतिबंधों के तहत लॉकडाउन लगा दिया है ताकि आगामी राष्ट्रीय अवकाशों के दौरान घरेलू यात्रा को हतोत्साहित किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश की सात प्रांतीय राजधानियों समेत 33 शहर पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन के दायरे में हैं जिससे यहां रहने वाले साढ़े छह करोड़ लोग प्रभावित हैं। एक पत्रिका के अनुसार 103 शहरों में संक्रमण देखा गया है और यह 2020 में महामारी के शुरुआती दिनों के बाद से सर्वाधिक संख्या है।

संक्रमण के अपेक्षाकृत कम मामलों के बावजूद अधिकारी शून्य कोविड की नीति का पालन कर रहे हैं जिसमें लॉकडाउन, पृथकवास और किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने पर संदिग्धों को घरों में रखने की बात कही गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक 1.4 अरब की आबादी वाले चीन में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के।,552 नए मरीज सामने आए। दक्षिण पश्चिमी चेंगदू शहर की लगभग 2.1 करोड़ आबादी में अधिकर लोग अपने फ्लैट या रिहाइशी परिसरों में सिमटे हैं, जबकि पूर्वी बंदरगाह शहर तियानजिन में कोविड-19 के 14 मामले सामने आने के बाद अब ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। चेंगदू के क्विंगलाई और शिनजिन जिलों में करीब 10 लाख लोगों को लॉकडाउन के दायरे से बाहर किया गया है। तीन और दौर का व्यापक परीक्षण किया जाएगा। सभी स्कूल बंद हैं और कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन हो रहा है। चीन में 10-12 सितंबर तक मिड-ऑटम उत्सव है और यह चंद्र नव वर्ष (लूनर न्यू ईयर) के बाद देश का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। वायरस निरोधक उपायों का सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था, यात्रा और समाज पर व्यापक असर पड़ा है, लेकिन चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का कहना है कि ए (प्रतिबंध) वायरस के व्यापक प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक हैं।

बुर्किना फासो में आईईडी विस्फोट में 35 लोगों की मौत

औगाडोगू। पश्चिमी अफ्रीका के देश बुर्किना फासो में शक्तिशाली आईईडी विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 37 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बुर्किना फासो की सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के मुताबिक, यह विस्फोट जिबो और बोरजंगा के उत्तरी शहरों के बीच नागरिकों को लेकर जा रहे वाहन पर किया गया। इस इलाके में इस्लामी आतंकियों का आधिपत्य है। यहां आतंकी 2015 से गांवों, पुलिस और सैन्य चौकियों को निशाना बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक से पश्चिम अफ्रीका के इस देश में असुरक्षा बढ़ गई है। अल कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े समूहों ने विदेशी सैनिकों और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद हजारों लोगों की हत्या की है। 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

पाकिस्तान ने आतंकी का शव लिया:20 सालों में पहली बार आतंकी को माना अपना नागरिक

इस्लामाबाद। भारत ने पाकिस्तान को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी का शव सौंप दिया। खास बात यह है कि 20 सालों में पहली बार पाकिस्तान ने एक आतंकी को अपना नागरिक माना है। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने इससे पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल अपने नागरिकों के शव लेने से हमेशा इनकार किया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के कोटली के सब्जकोट गांव के निवासी तबारक हुसैन (32) ने पिछले महीने 21 अगस्त को राजौरी के नौशेरा सेक्टर से में LOC पर घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए पकड़ा था। इस दौरान उसे पैर और कंधे पर गोली लग गई थी। सुरक्षाबलों ने उसे अस्पताल भर्ती करवाया, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। सैनिकों ने उसकी जान बचाने के लिए तीन यूनिट रक्तदान भी किया।

अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट से मौत

पूछताछ के दौरान हुसैन ने भारतीय पोस्ट पर हमले की साजिश का खुलासा किया था। उसने बताया था कि उसके साथ चार आतंकी भेजे गए थे। इसी बीच पिछले शनिवार यानी 3 सितंबर को राजौरी के एक अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट (दौरान दिल का दौरा) से हुसैन की मौत हो गई। रविवार को पोस्टमॉर्टम सहित सभी फॉर्मेलिटी पूरी की गई।

इसके बाद पाकिस्तान आर्मी से संपर्क किया गया।सेना के एक अधिकारी ने बताया कि हुसैन की मौत के दो दिन के बाद उसका शव पाकिस्तान को सौंपा गया। सोमवार को भारतीय सेना ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर चाकन दा बाग चौराहे पर पुलिस और सिविल अधिकारियों की मौजूदगी में शव पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंपा।डॉ. मनमीत कौर ने बताया, 'हमें सूचना मिली थी एक शव को पाकिस्तान को सौंपना है। हमने शव को सुबह करीब 11:06 बजे शव उन्हें (पाक अधिकारियों को) सौंप दिया।'

अमेरिकी अधिकारी का दावा : हथियार खरीदने के लिए किम जोंग के संपर्क में पुतिन, पाबंदी के बाद आ रही मुश्किलें

वाशिंगटन । रूस का रक्षा मंत्रालय यूक्रेन में चल रहे युद्ध के लिए उत्तर कोरिया से लाखों रॉकेट और तोप के गोले खरीदने की तैयारी कर रहा है। एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। अमेरिका के एक अधिकारी ने नाम उजागर ना करने की शर्त पर सोमवार को बताया कि रूस का अलग-थलग पड़े देश उत्तर कोरिया का रुख करना दर्शाता है कि निर्यात पर विभिन्न रोक तथा प्रतिबंधों के कारण रूसी सेना यूक्रेन में आपूर्ति की कमी का सामना कर रही है।' अमेरिका के खुफिया अधिकारियों का मानना है कि रूस भविष्य में उत्तर कोरिया से अतिरिक्त सैन्य उपकरण भी खरीद सकता है। समाचार पत्र 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने सबसे पहले इस खुफिया रिपोर्ट के आधार पर एक खबर प्रकाशित की थी। अमेरिकी अधिकारी ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी कि रूस उत्तर कोरिया से कितने हथियार खरीदना चाहता है। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति

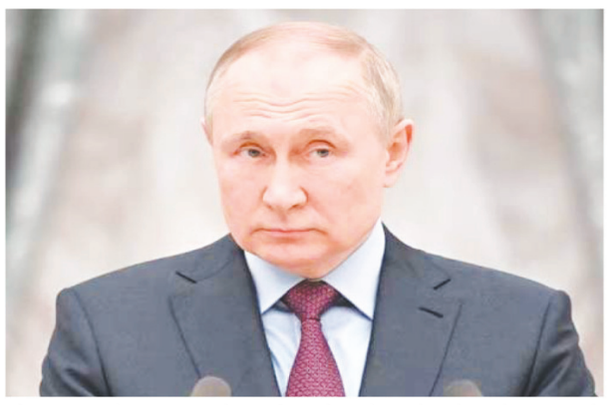

जो बाइडन के प्रशासन ने रूसी सेना के यूक्रेन में इस्तेमाल करने लिए ईरान से ड्रोन हासिल करने की अगस्त में पुष्टि की थी।

उत्तर कोरिया ने रूस के साथ संबंधों को मजबूत करने की मांग की है और यूक्रेन संकट के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया है। उसने यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि पश्चिम की ''आधिपत्य नीति'' के खिलाफ रूस की कार्रवाई आत्मरक्षा के लिए की गई है।

उत्तर कोरिया ने देश के पूर्व में रूसी कब्जे वाले क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए मजदूर भेजने को लेकर भी रुचि दिखाई है। रूस में उत्तर कोरिया के राजदूत ने हाल ही में यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूस समर्थित दो अलगाववादी क्षेत्रों के दूतों से मुलाकात की थी और ''कामगार भेजने'' के संबंध में सहयोग का आश्वासन दिया था। रूस और सीरिया के अलावा उत्तर कोरिया एकलौता ऐसा देश था, जिसने जुलाई में दोनेत्सक और लुहान्स्क की स्वतंत्रता को मान्यता दी और यूक्रेन में युद्ध के संबंध में रूस का समर्थन किया था।

चीनी सेना से जुड़े सैन्य अभ्यास में शामिल हुए पुतिन, बढ़ सकती है अमेरिका की टेंशन

वाशिंगटन । चीनी सेना से जुड़े सैन्य अभ्यास को देखने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज वोस्तोक 2022 सैन्य अभ्यास में शामिल हुए। चीन के साथ पुतिन की नजदीकी ने अमेरिका की टेंशन बढ़ा दी है। इस सैन्य अभ्यास के जरिए रूस अमेरिका समेत यूरोपीय देशों को यह दिखाना चाहता है कि वह दुनिया में अलग-थलग नहीं पड़ा है। वहीं अमेरिका ने भी माना है कि रूस और चीन गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहे हैं और वर्तमान अमेरिकी प्रशासन के लिए उनके मन में कोई सम्मान नहीं है।

युद्धाभ्यास में 50 हजार से अधिक सैनिक हिस्सा ले रहे

एक से सात सितंबर तक चलने वाले इस अभ्यास की मेजबानी रूस कर रहा है जिसमें चीन, भारत जैसे कई देश हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में 50 हजार से अधिक सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। यह अभ्यास सात अलग-अलग फायरिंग रेंज पर होगा और इसमें 5000 से अधिक हथियार,

140 विमान और 60 युद्धपोत शामिल किए गए हैं। इस सैन्य अभ्यास में चीन, भारत, लाओस, मंगोलिया, निकारागुआ, सीरिया और पूर्व सोवियत देश हिस्सा ले रहे हैं।

सैन्य अभ्यास से अमेरिका चिंतित

वहीं, रूस ने जब से भारत के साथ सैन्य अभ्यास 'वोस्तोक 2022' की घोषणा की है, अमेरिका बिलबिलाया हुआ है। इसमें भी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस युद्धाभ्यास में भारत और चीन के साथ कई अन्य देशों के 50 हजार सैनिक भाग ले रहे हैं। अब इस युद्धाभ्यास को लेकर व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जीन पियरे कहा है कि यूक्रेन के साथ अकारण एवं बर्बर युद्ध छेड़ने वाले रूस के साथ किसी भी अन्य देश का सैन्य अभ्यास करना उसके लिए चिंताजनक है। जब उनसे पूछा गया कि इस मसले पर भारत पर दबाव क्यों नहीं डाला गया? तो उन्होंने कहा, सैन्य अभ्यास में भाग लेने वाले प्रत्येक देश को खुद निर्णय लेना है और मैं यह फैसला उन पर छोड़ती हूं। वहीं इस सैन्य अभ्यास में भाग लेने वाले देशों पर कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा, मेरे पास इस बारे में बताने लायक कुछ नहीं है।

भारतीय सेना की टुकड़ी हुई शामिल

भारतीय सेना ने अपने बयान में बताया कि 7/8 गोरखा राइफल्स के सैनिकों की एक भारतीय सेना की टुकड़ी अभ्यास स्थान पर पहुंची थी। अगले सात दिनों में ये सैनिक संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध चर्चा और गोलाबारी अभ्यास करने के लिए संयुक्त युद्धाभ्यास करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना की टुकड़ी व्यावहारिक पहलुओं को साझा करने और मान्य अभ्यासों, प्रक्रियाओं और नई तकनीक के अभ्यास को चर्चा और सामरिक अभ्यासों के माध्यम से सीखने के लिए तत्पर है।

दक्षिण कोरिया में चक्रवाती तूफान से 20 हजार लोग बेघर

सियोल । दक्षिण कोरिया में आया चक्रवाती तूफान हजारों लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। बीस हजार लोग बेघर हो गए हैं, वहीं सैकड़ों स्कूल बंद करने पड़े हैं। जानकारी के मुताबिक दक्षिण कोरिया में उष्णकटिबंधीय चक्रवात टाइफून हिनामनोर मुसीबत बन गयी है। इस कारण बीस हजार से अधिक लोग घर छोड़ने को मजबूर हो गये हैं। दक्षिण कोरिया के आंतरिक और सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार भयंकर बारिश और हवाओं ने सैकड़ों पेड़ों और सड़कों को नष्ट कर दिया। बिजली संकट इस कदर बढ़ गया है कि बीस हजार से अधिक

घर अंधेरे में आ गए हैं। देशभर में छह सौ से अधिक स्कूल बंद कर दिये गए हैं। 250 से अधिक उड़ानें और 70 नौका सेवाएं रोक दी गई। 66,000 से अधिक मछली पकड़ने वाली नौकाएं समुद्र में फंस गयीं, जिन्हें बंदरगाहों तक पहुंचाया गया।

प्रधानमंत्री हान डुक-सू ने बताया कि बाढ़ की चपेट में आने वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निकालने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हिनामनोर चक्रवाती तूफान बड़ी आपदा है, जिसे दक्षिण कोरिया के लोगों ने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। दक्षिण कोरिया की मौसम एजेंसी ने कहा कि हिनामनोर के कारण भारी बारिश और 144 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। रविवार से जेजू के मध्य भाग में 94 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जहां हवाओं की रफ्तार एक बार 155 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति तक पहुंच गई थी।

IMF डील के बाद भी कम नहीं हो रहीं मुश्किलें, विपक्ष ने रिपोर्ट संसद में पेश करने की उठाई मांग

कोलंबो । ऐतिहासिक आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2.9 अरब डॉलर के कर्ज का एलान तो कर दिया है, लेकिन उसकी मुश्किलें अभी भी कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब श्रीलंका में विपक्षी दल ने आईएमएफ के साथ हुए समझौते को संसद पटल पर रखने की मांग की है। दरअसल, एक सितंबर को आईएमएफ और श्रीलंकाई अधिकारियों के बीच लगभग 2.9 अरब डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) के तहत 48 माह के कर्ज पर सहमति बनी है।

रिपोर्ट के अनुसार, विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने मंगलवार को संसद में कहा कि सार्वजनिक वित्त पर संसद का अधिकार है, आईएमएफ के साथ हाल ही में घोषित कर्मचारी-स्तरीय समझौते को संसद में पेश किया जाना चाहिए। संसद के एसजेबी सदस्य और सार्वजनिक वित्त पर संसदीय समिति के अध्यक्ष हर्ष डी सिल्वा ने प्रेमदासा के आह्वान

का समर्थन किया। उन्होंने कहा, अगर सरकार को आईएमएफ द्वारा अनुशंसित आर्थिक सुधारों के लिए विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता है, तो संसद को समझौते से अवगत कराया जाना चाहिए। उधर, सरकार की ओर से कहा गया है कि समझौते को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के सामने ही रखा जाएगा।

आईएमएफ ने अपने बयान में कहा था कि, संकटग्रस्त देश की आर्थिक नीतियों को समर्थन देने की खातिर कर्मचारी स्तर के समझौते पर सहमत हुए हैं। इस व्यवस्था के तहत विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) में 48 महीने की अवधि के दौरान 2.9 अरब डॉलर दिए जाएंगे।' इसमें कहा गया कि इस मदद का उद्देश्य श्रीलंका में व्यापक आर्थिक स्थिरता और ऋण वहनीयता को बहाल करना है और इसके साथ-साथ वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना भी है। आर्थिक मदद देने से पहले आईएमएफ ने श्रीलंका को कई सुधारात्मक कदम उठाने को कहा था। उसने ऋण वहनीयता सुनिश्चित करने और वित्तीय खाई को पाटने में मदद देने के लिए बहुपक्षीय साझेदारों से अतिरिक्त आर्थिक मदद करने और श्रीलंका के कर्जदाताओं से कर्ज राहत देने का आह्वान भी किया था।

हंगरी में 1901 के बाद इस साल पड़ी भीषण गर्मी

बुडापेस्ट। देश की मौसम सेवा (एमओएसजेड) ने कहा कि हंगरी में इस साल 1901 के बाद से सबसे अधिक गर्मी पड़ी है। समाचार एजेंसी के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि 2022 की गर्मियों में, जून, जुलाई और अगस्त का औसत तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस था, जो कि 1991 और 2020 के बीच दर्ज किए गए 20.8 डिग्री सेल्सियस के गर्मियों के औसत से दो डिग्री अधिक है।एमओएसए के अनुसार, इस वर्ष की गर्मी 2003 की गर्मियों की तुलना में 0.5 डिग्री ज्यादा थी। वहीं, 11 दिन ऐसे रहे, जो 35 डिग्री से अधिक गर्म

थे, ये औसत से आठ दिन अधिक है। इस बीच 46 दिन ऐसे भी रहे जब तापमान 30 डिग्री से अधिक हो गया, जो औसत से 20 दिन अधिक है। जून के अंत से अगस्त के अंत तक पांच हीटवेव पीरियड्स रहे। इस दौरान हवा केवल थोड़े समय के लिए ठंडी हुई और उसके बाद तापमान 40 डिग्री तक दर्ज किया गया। तापमान ज्यादातर हंगरी के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में बढ़ा।

बुर्किना फासो में आईईडी विस्फोट में 35 लोगों की मौत

औगाडोग। पश्चिमी अफ्रीका के देश बुर्किना फासो में शक्तिशाली आईईडी विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 37 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बुर्किना फासो की सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता के मुताबिक, यह विस्फोट जिबो और बोरजंगा के उत्तरी शहरों के बीच नागरिकों को लेकर जा रहे वाहन पर किया गया।

इस इलाके में इस्लामी आतंकियों का आधिपत्य है। यहां आतंकी 2015 से गांवों, पुलिस और सैन्य चौकियों को निशाना बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक से पश्चिम अफ्रीका के इस देश में असुरक्षा बढ़ गई है। अल कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े समूहों ने विदेशी सैनिकों और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद हजारों लोगों की हत्या की है। 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

बाढ़ से बचाने के लिए इंजीनियरों ने तोड़ दी झील, त्रासदी से उबरने में अब आएगा 80 हजार करोड़ का खर्च

इस्लामाबाद। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में बाढ़ का तांडव लगातार जारी है। इस जानलेवा बाढ़ से अब तक 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 12,577 लोग घायल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में पांच लाख से अधिक लोग बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब प्रांतों में राहत शिविरों में रह रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को 30 साल के औसत की तुलना में 500 प्रतिशत अधिक बारिश का खामियाजा भुगतना पड़ा है। वहीं लोगों बाढ़ की इस विभीषिका से निकालने के लिए पाकिस्तानी इंजीनियर तरह-तरह की तरकीब लगा रहे हैं ताकि शहर में घुसने वाले पानी की निकासी की जा सके।

पाक इंजीनियरों ने सबसे बड़ी ताजे पानी की झील को तोड़ दिया

अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि इंजीनियरों ने पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील को तोड़ दिया है जिससे आसपास के शहरों से पानी की

निकासी की जा सके। सिंध प्रांत के सूचना मंत्री शारजील इनाम मेमन ने सोमवार को समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि इंजीनियरों को पानी निकालने के लिए मंचर झील के एक नाले को काटना पड़ा, जिससे सहवान और भान सईदाबाद के शहरों को बहुत अधिक खतरा था, जिनकी कुल आबादी लगभग 25 लाख है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि देश के इतिहास में इस तरह की बाढ़ कभी नहीं आई थी। अधिकारियों ने आगे कहा कि बाढ़ के पानी को डायवर्ट कर दिया गया लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। छोटी बस्तियों से अभी भी हजारों लोगों को निकालना बाकी है।

त्रासदी से उबरने में अब आएगा 80 हजार करोड़ का खर्च

अधिकारियों का कहना है कि इस त्रासदी से उबारने के लिए पाकिस्तान सरकार को करीब 80 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। अधिकारियों ने कहा कि हमारे लिए ये सब करना मुश्किल होगा क्योंकि जब मानसून खत्म हो जाएगा तब फिर ठंड दस्तक दे देगी। ऐसे में बेघर लोगों के लिए घरों का इंतजाम करना बहुत जरूरी होगा।

पाकिस्तान में 47 हजार गर्भवती राहत शिविरों में रहने को मजबूर

पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित 47,000 से अधिक गर्भवती महिलाएं सिंध प्रांत में आश्रय शिविरों में रहने को मजबूर हैं। सिंध की स्वास्थ्य मंत्री अजरा पेचुहो ने बाढ़ से प्रभावित महिलाओं के आंकड़े साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद हजारों की संख्या में लोग बीमारी से पीड़ित मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, प्रांत में डायरिया के 1,34,000 से अधिक मरीज मिले हैं और मलेरिया के 44,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

लिज ट्रस आज ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की लेंगी शपथ

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद का चुनाव जीतने वालीं सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी की लिज ट्रस आज शपथ लेंगी। उन्होंने चुनाव में भारतीय मूल के सांसद ऋषि सुनक को पराजित किया है। लिज ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जानसन की जगह लेंगी और आर्थिक संकट से निपटने के लिए शीर्ष कैबिनेट मंत्रियों की एक नई टीम नियुक्त करने से पहले स्काटलैंड में महारानी एलिजाबेथ से मिलेंगी। लिज को अब जीत के साथ ही ब्रिटेन की कई चुनौतियों से भी पार पाना होगा। देश में मंदी की आशंका, रिकार्ड महंगाई और औद्योगिक क्षेत्र में अशांति की चुनौतियों से लिज को लड़ना होगा।

लिज की जीत के साथ ही सत्ता बदलने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। 47 वर्षीय ट्रस आज "किसिंग ऑफ हैंड" समारोह के लिए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से मुलाकात करेंगी। उनके साथ कई स्कैंडल में फंसने के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने वाले बोरिस जानसन भी होंगे। जानसन आज महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपेंगे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

कोरोना के चलते चीन ने 6.5 करोड़ लोगों पर लगाई लॉकडाउन की पाबंदी

बीजिंग। कोरोना संक्रमण के चलते चीन ने साढ़े छह करोड़ नागरिकों को सख्त प्रतिबंधों के तहत लॉकडाउन लगा दिया है ताकि आगामी राष्ट्रीय अवकाशों के दौरान घरेलू यात्रा को हतोत्साहित किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश की सात प्रांतीय राजधानियों समेत 33 शहर पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन के दायरे में हैं जिससे यहां रहने वाले साढ़े छह करोड़ लोग प्रभावित हैं। एक पत्रिका के अनुसार 103 शहरों में संक्रमण देखा गया है और यह 2020 में महामारी के शुरूआती दिनों के बाद से सर्वाधिक संख्या है।

संक्रमण के अपेक्षाकृत कम मामलों के बावजूद अधिकारी शून्य कोविड की नीति का पालन कर रहे हैं जिसमें लॉकडाउन, पृथकवास और किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने पर संदिग्धों को घरों में रखने की बात कही गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक 1.4 अरब की आबादी वाले चीन में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के।,552 नए मरीज सामने आए। दक्षिण पश्चिमी चेंगदू शहर की लगभग 2.1 करोड़ आबादी में अधिकर लोग अपने फ्लैट या रिहाइशी परिसरों में सिमटे हैं, जबकि पूर्वी बंदरगाह शहर तियानजिन में कोविड-19 के 14 मामले सामने आने के बाद अब ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। चेंगदू के क्विंगलाई और शिनजिन जिलों में करीब 10 लाख लोगों को लॉकडाउन के दायरे से बाहर किया गया है। बुधवार को तीन और दौर का व्यापक परीक्षण किया जाएगा। सभी स्कूल बंद हैं और कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन हो रहा है। चीन में 10-12 सितंबर तक मिड-ऑटम उत्सव है और यह चंद्र नव वर्ष (लूनर न्यू ईयर) के बाद देश का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। वायरस निरोधक उपायों का सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था, यात्रा और समाज पर व्यापक असर पड़ा है, लेकिन चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी का कहना है कि ए (प्रतिबंध) वायरस के व्यापक प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक हैं।